आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक
हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 236 | उज्जैन, बुधवार 16 जुलाई 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

नशा केवल स्वास्थ्य नहीं सामाजिक ताने-बाने को भी करता है छिन्न-भिन्न-मुख्यमंत्री

प्रदेशवासियों को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक करेगी मध्यप्रदेश पुलिस

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नशा एक सामाजिक बुराई है। जो युवाओं, परिवार और समाज की जड़ों को खोखला बना रही है। नशे की जद में आकर कई परिवार उजड़ जाते हैं। नशा नाश की जड़ है, जो न केवल स्वास्थ्य को खत्म करता है बल्कि सामाजिक ताने-बाने को भी छिन्न-भिन्न करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में मंगलवार से 30 जुलाई तक प्रारंभ हुए नशामुक्ति अभियान - नशे से दूरी है जरूरी के शुभारंभ अवसर पर वीडियो संदेश के माध्यम से यह विचार व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह अत्यंत दुःखद है कि युवाओं के बीच नशे का चलन तेजी से बढ़ रहा है। युवा देश का भविष्य हैं, उन्हें इस दलदल से बचाने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह संकल्पित है। ÷नशे से दूरी है जरूरी÷ अभियान चलाने का उद्देश्य न केवल नशे को रोकना है बल्कि समाज में नई चेतना जागृत करना भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से म.प्र. पुलिस द्वारा संचालित नशा मुक्ति अभियान को सफल बनाने का आहवान किया है।

डीजीपी ने किया अभियान का शुभारंभ

पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना ने पुलिस मुख्यालय, भोपाल में मंगलवार को वृहद नशा मुक्ति जन-जागरूकता अभियान ''नशे से दूरी-है जरूरी'' का शुभारंभ किया। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के वीडियो संदेश तथा अभियान के पोस्टर का विमोचन भी किया।

मेक्सिको के टमाटरों पर ट्रंप ने लगाया 17% टैरिफ, अमेरिकी राष्ट्रपति ने क्यों लिया ये फैसला?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका ने मेक्सिको से आयात होने वाले ताजा टमाटरों पर 17.09 फीसदी का भारी-भरकम एंटी-डंपिंग शुल्क लगा दिया है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने सोमवार को ऐलान किया कि मेक्सिको की ओर से कथित अनुचित व्यापार के चलते यह कदम उठाया गया है।

यह फैसला 2019 के उस समझौते को खत्म करने के बाद आया। इस समझौते की वजह से ऐसे शुल्कों पर रोक थी। मेक्सिको अमेरिका में ताजा टमाटरों का सबसे बड़ा सप्लायर है और इस नए शुल्क से दोनों देशों के व्यापारिक रिश्तों में तनाव बढ़ सकता है।

अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक ने कहा, मेक्सिको हमारा बड़ा दोस्त है, मगर हमारे किसानों को अनुचित व्यापार की मार लंबे वक्त से झेलनी पड़ी है। टमाटरों की कीमतों को कम करके हमारे बाजार को नुकसान पहुंचाया गया। अब यह सिलसिला बंद होगा।

उन्होंने यह भी कहा कि यह कदम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार नीतियों के मुताबिक है।

टमाटरों की कीमतों पर असर- अमेरिका ने इस साल अप्रैल में टमाटर समझौते से पीछे हटने का ऐलान किया था, ताकि उनके अपने टमाटर उत्पादकों को निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा का मौका मिले।

कांवड़ मार्ग पर दुकानदारों को क्यों लगाना होगा QR कोड? सुप्रीम कोर्ट ने यूपी-उत्तराखंड सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। सावन का पवित्र महीना शुरू होने के बाद पूरे देश में कांवड़ यात्रा निकल रही है। लाखों की संख्या में कांवड़ यात्री अलग-अलग जगहों से गंगाजल लेकर शिवलिंग पर चढ़ाने जा रहे हैं। कई राज्यों में कांवड़ियों के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। खासकर उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में सरकार ने कांवड़ रूट के लिए कुछ गाइडलाइंस जारी की है, जिसे लेकर अब सुप्रीम कोर्ट ने सवाल पूछा है।

यूपी और उत्तराखंड सरकार ने कांवड़ मार्ग पर सभी दुकानदारों को क्यूआर कोड (त्क्र ष्टश्वस्त्रद्) लगाने का आदेश दिया है, जिसमें दुकान के मालिक की पूरी पहचान मौजूद रहेगी। वहीं, अब सुप्रीम कोर्ट ने दोनों राज्य सरकारों से इस फैसले की वजह पूछी है।

स्ष्ट ने दिया 1 हफ्ते का समय- सुप्रीम कोर्ट ने यूपी और उत्तराखंड सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए 1 हफ्ते का समय दिया है। जस्टिस एमएम सुंद्रेश और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने मामले पर सुनवाई करते हुए कहा कि दोनों सरकारों को अगले मंगलवार तक क्यूआर कोड के आदेश का कारण सुप्रीम कोर्ट को बताना होगा।

फाइटर जेट, मिसाइल और बारूदी टैंक...जंग में बेशुमार पैसा झोंक रही दुनिया, डिफेंस में कितना है भारत का Investment?

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के कई देशों के बीच अभी या तो जंग चल रही है या होने की संभावना है। हाल ही में इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष हुआ, जिसमें अमेरिका भी कूद पड़ा और इजरायल का साथ दिया। रूस और यूक्रेन पिछले कई सालों से युद्ध लड़ रहे हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच भी एक संघर्ष हुआ।

दुनिया इन दिनों डिफेंस सेक्टर में भरपूर पैसा लगा रही है। वहीं, तमाम देश भुखमरी और बीमारी से जूझ रहे हैं। बावजूद इसके हथियारों को खरीदने के लिए पैसा पानी की तरह बहाया जा रहा है और युद्ध की तो पहली शर्त ही है कि इसमें बेशुमार पैसा झोंका जाता है।

2024 का साल दुनिया के लिए एक खौफनाक साल बनकर सामने आया है। पिछले साल ग्लोबल सिक्योरिटी ने दम तोड़ता हुआ दिखा। इसी साल हथियारों पर खर्च रिकॉर्ड 2.7 ट्रिलियन तक पहुंच गया, जो पिछले साल से 9.4% ज्यादा है।

SIPRI Yearbook 2025 की मानें तो यह दसवां साल है, जब दुनिया भर में मिलिट्री बजट लगातार बढ़ा है। दुनिया भर में जंगों का मंजर इतना भयावह हुआ कि ग्लोबल डिफेंस बर्डन 2.5% तक पहुंच गया और जिस देश में जंग हो रही थी वहां यह आंकड़ा 4.4% तक जा पहुंचा। इसके साथ ही मौतों का आंकड़ा भी डरावनी तस्वीर पेश करते हैं। पिछले साल 239,000 लोगों की जान गई। गाजा और यूक्रेन की जंग, म्यांमार और सूडान में सिविल वॉर और इथियोपिया में लड़ाई में 10,000 से ज्यादा मौतें हुई।

शूटिंग के दौरान स्टंटमैन की मौत, फिल्म डायरेक्टर सहित तीन लोगों पर मामला दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ सुपरस्टार आर्या की अपकमिंग मूवी वेट्टुवम की शूटिंग के दौरान एक भयानक एक्सीडेंट हुआ है। शूटिंग के दौरान स्टंटमैन एसएम राजू की मौत हो गई है। इस मामले में निर्देशक पा रंजीत और तीन अन्य के खिलाफ लापरवाही का मामला दर्ज किया गया है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में क्या हुआ खुलासा- पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि राजू को गंभीर अंदरूनी चोटें आई थीं, जिसमें सिर के अंदर से खून बहना भी शामिल है, जबकि घटना के समय कोई बाहरी घाव दिखाई नहीं दे रहा था। निर्देशक पा रंजीत, सहायक निर्देशक राज कमल, वाहन मालिक प्रकाश और शूट मैनेजर विनोद के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

एक्टर विशाल ने जताया शोक- एक्टर के. विशाल ने स्टंटमैन एसएम राजू को याद करते हुए कहा कि वो उनके लिए परिवार की तरह थे। विशाल ने कहा, मैं राजू को 20 सालों से जानता हूँ। यह एक गहरी व्यक्तिगत क्षति है। उसके दो छोटे बच्चे हैं। अब यह मेरा कर्तव्य है कि मैं उसके परिवार के साथ खड़ा रहूं। जानकारी के मुताबिक, रविवार सुबह तमिलनाडु के नागपट्टिनम में आर्या और निर्देशक पा.रंजीत की अपकमिंग मूवी वेट्टुवम की शूटिंग चल रही थी और गाड़ी से एक स्टंट सीन को फिल्माने के दौरान दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें स्टंटमैन राजू की जान चली गई।

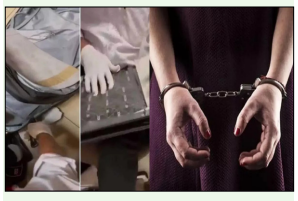

बिस्कुल और चॉकलेट के डिब्बे लेकर दोहा से मुंबई पहुंची महिला, एयरपोर्ट पर पैकेट खोलते ही पुलिस के उड़े होश

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्व खुफिया निदेशालय ने सोमवार को मुंबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर एक महिला यात्री को 300 कैप्सूल में कथित तौर पर छह किलोग्राम से अधिक कोकेन ले जाने के आरोप में गिरफ्तार किया, जिसकी अनुमानित कीमत 62.6 करोड़ रुपये है।

दोहा से मुंबई पहुंची थी महिला- कैप्सूल ओरियो बिस्कुट के छह डिब्बों और चॉकलेट के तीन डिब्बों में पैक किए गए थे। भारतीय नागरिक महिला के दोहा से मुंबई हवाई अड्डे पर उतरने पर डीआरआइ अधिकारियों ने विशेष सूचना के आधार पर उसे रोक लिया।

गगनयान की दिशा में मील का पत्थर, अंतरिक्ष से लौटने पर शुभांशु शुक्ला को PM मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर 18 दिन बिताने के बाद आज (मंगलवार, 15 जुलाई को) धरती पर सकुशल वापस लौट आए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनकी वापसी पर खुशी जाहिर की है और उनका स्वागत किया है। सोशल मीडिया एक्स पर प्रधानमंत्री ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए लिखा, मैं पूरे देश के साथ शुभांशु शुक्ला का स्वागत करता हूं, जो अपने ऐतिहासिक अंतरिक्ष मिशन से पृथ्वी पर लौट आए हैं।

प्रधानमंत्री ने आगे लिखा, अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन का दौरा करने वाले भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री के रूप में, उन्होंने अपने समर्पण, साहस और अग्रणी भावना से करोड़ों सपनों को प्रेरित किया है। यह हमारे अपने मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन - गगनयान - की दिशा में एक और मील का पत्थर है।

17 अगस्त को दिल्ली लौटेंगे शुभांशु शुक्ला

इससे पहले ग्रुप कैप्टन शुक्ला और अन्य लोगों को लेकर स्पेसएक्स क्रू कैप्सूल ग्रेस, भारतीय समयानुसार दोपहर 3 बजे के करीब सैन डिएगो के पास कैलिफ़ोर्निया तट पर उतरा। आईएसएस पर 18 दिनों के प्रवास के बाद अंतरिक्ष यात्रियों ने पृथ्वी पर लौटने से पहले 22.5 घंटे की यात्रा की। शुक्ला, कमांडर पैगी व्हिटसन, तथा मिशन विशेषज्ञ पोलैंड के स्लावोज़ उज्नान्स्की-विस्नीवस्की और हंगरी के टिबोर कापू को लेकर अंतरिक्ष यान सोमवार को भारतीय समयानुसार शाम 4÷45 बजे अंतरिक्ष स्टेशन से अलग हो गया था। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने अंतरिक्ष यान के पृथ्वी पर लौटने के बाद बताया कि ग्रुप कैप्टन शुक्ला 17 अगस्त को दिल्ली लौटेंगे।

मिनेल्ले फारूकी बनीं पाकिस्तान की सबसे कम उम्र की कमर्शियल पायलट, 18 साल की उम्र में उड़ाया विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आमतौर पर पाकिस्तान किसी न किसी खराब वजहों से ही चर्चा में रहता है। मगर, पहली बार पाकिस्तान से एक अच्छी खबर सामने आ रही है। एक 18 साल की युवती ने पाकिस्तान की पितृसत्तात्मक समाज को चुनौती देते हुए अपना मुकाम हासिल कर लिया है। हम बात कर रहे हैं पाकिस्तान की सबसे युवा कमर्शियल महिला पायलट बनीं मिनेल्ले फारूकी की।

मिनेल्ले ने महज 18 साल की उम्र में अपने सपनों की उड़ान हासिल कर ली है। वो पाकिस्तान की सबसे उम्र की कमर्शियल पायलट बन गईं हैं। अपनी इस उपब्धि पर बात करते हुए मिनेल्ले कहती हैं कि उड़ने का शौक उन्हें बचपन से ही था।

बचपन से था पायलट बनने का सपना- मिनेल्ले के अनुसार, उड़ने का शौक मेरे डीएनए में था। शुरू से ही प्लेन देखकर मेरी उत्सुकता बढ़ जाती थी। मेरा घर कराची रनवे के बेहद करीब है। मैं बचपन से ही प्लेन को टेकऑफ और लैंड करते हुए देखती हूं। मुझे पता था कि मुझे भी बड़े होकर पायलट ही बनना है।

1 साल में 13 परीक्षाएं पास कीं- बता दें कि पाकिस्तान की सबसे युवा कमर्शियल पायलट बनीं मिनेल्ले ने महज 1 साल में 13 एविएशन एग्जाम पास किए हैं। इसपर मिनेल्ले कहती हैं।

न सिर्फ लड़कियों बल्कि सभी के लिए मेरा यही संदेश है कि अगर आपके अंदर किसी चीज का जुनून है, तो उसे जरूर फॉलो करिए। आपको पीछे खींचने वाले 100 लोग होंगे। यहां तक कि जो प्रोफेशन पुरुष प्रधान नहीं हैं, वहां भी बहुत से लोग होंगे जो आपको आगे बढ़ने से रोकेंगे।

एअर एंबुलेंस उड़ाती हैं मिनल्ले- मिनेल्ले फारूकी अभी एअर एंबुलेंस ऑपरेट करती हैं। मिनेल्ले के अनुसार, उड़ान से संबंधित हर चीज करना मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा लक्ष्य है। एअर एंबुलेंस के जरिए आप इंसानों की जान भी बचाते हैं।

शिक्षा विभाग को खत्म करने के प्लान को SC से ग्रीन सिग्नल; क्यों Education Department पर ताला लगाना चाहते हैं ट्रंप?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की सबसे बड़ी अदालत यानी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को शिक्षा विभाग को पूरी तरह से खत्म करने की राह में रास्ता साफ कर दिया है।

कोर्ट के रूढ़िवादी जजों ने सोमवार को ट्रंप प्रशासन की अपील को मंजूरी दे दी, जिसके तहत शिक्षा विभाग के 1,400 कर्मचारियों को फिर से काम पर रखने का निचली अदालत का आदेश रद कर दिया गया। इस फैसले ने ट्रंप को शिक्षा विभाग को खत्म करने करने की खुली छूट दे दी है।

हालांकि, कोर्ट के तीन उदारवादी जजों ने इस फैसले का सख्त विरोध किया। जस्टिस सोनिया सोतोमायोर ने अपने असहमति नोट में इसे बर्दाश्त से बाहर करार दिया।

जस्टिस सोनिया ने कहा कि यह फैसला राष्ट्रपति को कानूनों को खत्म करने की ताकत देता है, क्योंकि वह जरूरी कर्मचारियों को हटाकर विभाग को खोखला कर सकता है। उनके साथ जस्टिस एलेना कागन और केतांजी ब्राउन जैक्सन ने भी इस फैसले को संविधान की शक्तियों के बंटवारे के लिए खतरा बताया है।दो संगठनों ने दी ट्रंप के फैसले को चुनौती

शिक्षा मंत्री लिंडा मैकमोहन ने 11 मार्च को ऐलान किया था कि विभाग अपने आधे कर्मचारियों को हटाएगा। इसके बाद 20 मार्च को ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश जारी किया।

इस आदेश में मैकमोहन को कानून की इजाजत के दायरे में शिक्षा विभाग को पूरी तरह बंद करने के लिए हर मुमकिन कदम उठाने को कहा गया। इस कदम को दो मुकदमों में चुनौती दी जा रही है। अव्वल तो डेमोक्रेटिक राज्यों की अगुवाई में और दूसरा मैसाचुसेट्स के स्कूलों और यूनियनों की तरफ से इसका विरोध किया जा रहा है और कोर्ट में चुनौती दी जा रही है।

ऑस्ट्रेलिया में टैलिसमैन सेबर मिलिट्री एक्सरसाइज शुरु, भारत भी ले रहा हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आस्ट्रेलिया में अब तक का सबसे बड़ा सैन्य अभ्यास टैलिसमैन सेबर शुरू हो चुका है। इस सैन्य अभ्यास के दौरान चीनी जासूसी जहाजों की ओर से निगरानी किए जाने की आशंका जताई जा रही है।

तीन सप्ताह तक चलने वाला यह सैन्य अभ्यास रविवार को सिडनी में एक समारोह के साथ शुरू हुआ। आस्ट्रेलिया ने सोमवार को क्वींसलैंड राज्य के शोलवाटर बे प्रशिक्षण क्षेत्र में अभ्यास के दौरान एम142 हाई मोबिलिटी आर्टिलरी राकेट सिस्टम से मिसाइलें लांच कीं।

कब हुई थी टैलिसमैन सेबर की शुरुआत- टैलिसमैन सेबर की शुरुआत 2005 में अमेरिका और आस्ट्रेलिया के बीच द्विवार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास के रूप में हुई थी। इस बार सैन्य अभ्यास में 19 देशों के 35 हजार से अधिक सैन्यकर्मी भाग ले रहे हैं।

कौन-कौन से देश ले रहे हिस्सा- इन देशों में भारत, कनाडा, फिजी, फ्रांस, जर्मनी, इंडोनेशिया, जापान, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, नार्वे, पापुआ न्यू गिनी, फिलीपींस, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, थाईलैंड, टोंगा और ब्रिटेन शामिल हैं। मलेशिया और वियतनाम भी पर्यवेक्षकों के रूप में शामिल हो रहे हैं।

कौन हैं यूलिया स्विरीडेंको, जो बनेंगी यूक्रेन की अगली प्रधानमंत्री, जेलेंस्की ने रखा नाम का प्रस्ताव

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने उप प्रधानमंत्री यूलिया स्विरीडेंको को यूक्रेन का अलगा प्रधानमंत्री नियुक्त करने का प्रस्ताव दिया है। यूलिया कई अहम पदों पर काम कर चुकी हैं। वो आर्थिक विकास, व्यापार मंत्री और राष्ट्रपति कार्यकाल में उप प्रमुख के तौर पर काम कर चुकी हैं।

जेलेंस्की ने क्या कहा- सोशल मीडिया पोस्ट पर जेलेंस्की ने कहा, हम यूक्रेन में कार्यपालिका में बदलाव की शुरुआत कर रहे हैं। मैंने यूलिया स्विरीडेंको को यूक्रेन की सरकार का नेतृत्व करने और कामकाज को बेहतर बनाने के लिए बुलाया है। मैं भविष्य में नई सरकार के वर्क प्रोग्राम को पेश करने के लिए उत्सुक हूं।

कौन हैं यूलिया स्विरीडेंको- यूक्रेन के चेर्निहीव में जन्मी 39 वर्षीय यूलिया ने साल 2008 में कीव इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ ट्रेड एंड इकोनॉमिक्स में स्नातक हासिल की। उन्होंने कीव में एक यूक्रेनी-एंडोरा रियल एस्टेट फर्म में एक वित्तीय अर्थशास्त्री के रूप में अपना करियर शुरू किया। वो 2021 से यूक्रेन की उप प्रधानमंत्री हैं।

अप्रूवल के बाद भी रद हो सकता है वीजा, पढ़ें अमेरिका ने भारतीयों के लिए क्या नई एडवाइजरी जारी की?

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रंप प्रशासन लगातार प्रवासियों को लेकर सख्त आदेश पारित कर रही है। अमेरिका का वीजा पाना अब और मुश्किल हो चुका है।

इसी कड़ी में भारत में मौजूद अमेरिकी दूतावास ने स्पष्ट किया है कि वीजा मिलने के बाद भी जांच जारी रहती है। यदि कोई व्यक्ति अमेरिकी कानूनों और आव्रजन नियमों का पालन नहीं करता है, तो उसका वीजा रद कर दिया जाएगा और उसे देश से निकाल दिया जाएगा।

वीजा धारकों की लगातार होगी जांच- भारत में मौजूद अमेरिकी दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर पोस्ट करते हुए लिखा कि वीजा जारी होने के बाद अमेरिकी वीजा की जांच बंद नहीं होती है. हम वीजा धारकों की लगातार जांच करते हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे सभी अमेरिकी कानूनों और आव्रजन नियमों का पालन कर रहे हैं और अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो हम उनके वीजा रद्द कर देंगे और उन्हें देश से निकाल देंगे।

सोशल मीडिया की जानकारी भी देनी होगी- इसके अलावा जिस व्यक्ति ने वीजा के लिए अप्लाई किया है उसे अपनी सोशल मीडिया की जानकारी भी देनी होगी। यह कदम अवैध प्रवेश को रोकने के लिए उठाया गया है। वीजा आवेदकों को सावधानी बरतने और सभी नियमों का पालन करने की सलाह दी गई है।

कुछ दिनों पहले ही अमेरिकी दूतावास ने घोषणा की थी कि आवेदकों को पिछले पांच सालों में इस्तेमाल किए गए प्रत्येक सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म के अपने यूज़रनेम या हैंडल का खुलासा करना अनिवार्य है।

पुतिन ने कई लोगों को बेवकूफ बनाया..., यूक्रेन पर हमले बढ़ने से रूस पर भड़के डोनाल्ड ट्रंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप ने जब से सियासत में कदम रखा, अगर वो किसी बड़े नेता के गुड़गान गाते दिखे तो वो थे व्लादिमीर पुतिन। जी हां, रूस के राष्ट्रपति पुतिन को ट्रंप कई बार स्ट्रांग लीडर की संज्ञा दे चुके हैं। ट्रंप को अक्सर पुतिन की सराहना करते देखा गया है।

मगर अपने दूसरे कार्यकाल में ट्रंप के तेवर अब बदले-बदले से नजर आ रहे हैं। सोमवार को उन्होंने यूरोप के रास्ते यूक्रेन को हथियार भेजने का एलान किया। साथ ही उन्होंने रूस को टैरिफ की धमकी देना भी शुरू कर दिया। आखिर ट्रंप के इस यू-टर्न की क्या वजह है?

वादा पूरा न करने का मलाल- दरअसल राष्ट्रपति बनने से पहले ट्रंप ने अमेरिकी जनता समेत पूरी दुनिया से कई वादे किए थे, जिनमें से एक वादा रूस-यूक्रेन युद्ध रुकवाने का भी था। ट्रंप ने दावा किया था कि अगर वो सत्ता में आ गए तो यह युद्ध एक दिन में रुकवा देंगे। मगर, व्हाइट हाउस में वापसी के कई महीनों बाद भी ट्रंप ऐसा करने में नाकाम रहे हैं।

पुतिन से की थी फोन पर बात- ट्रंप ने पुतिन से फोन पर बात की, लेकिन उन्हें निराशा ही हाथ लगी।

इस बातचीत का जिक्र करते हुए ट्रंप ने कहा- मैं घर गया और मैंने फर्स्ट लेडी (पत्नी मेलानिया) को बताया कि आज मैंने व्लादिमीर पुतिन से बात की और हमारे बीच कमाल की वार्ता हुआ। उन्होंने मुझसे कहा, क्या सच में? अभी कुछ देर पहले ही एक शहर (यूक्रेन) पर फिर से हमला हुआ है।

5800KM/H रफ्तार, 20 टारगेट एक साथ... अमेरिका ने यूक्रेन को दिया ब्रह्मास्त्र, कितना पावरफुल है पैट्रियट मिसाइल सिस्टम?

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन को पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम के लिए मिसाइलें देने की घोषणा की है। अमेरिका धन लेकर ये मिसाइलें यूक्रेन को देगा।

पहले अस्त्रागार में इन मिसाइलों की कमी को देखते हुए अमेरिका ने उनकी आपूर्ति करने से इन्कार कर दिया था। यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति के संबंध में भी राष्ट्रपति ट्रंप नाटो के महासचिव मार्क रूट से बात करेंगे।

इस बीच ट्रंप के विशेष दूत कीथ केलोग ने कीव जाकर यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से हथियारों की आपूर्ति के संबंध में बात की है। रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने के कई महीनों के प्रयास सफल न होते देख राष्ट्रपति ट्रंप ने अब यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति करने का निर्णय लिया है। यूक्रेन को बचाव के लिए पैट्रियट एयर डिफेंस मिसाइल देने की घोषणा के साथ ही ट्रंप ने संकेत दिया है कि यूक्रेन को हमले वाले हथियार भी दिए जाएंगे। करीब छह महीने के कार्यकाल में राष्ट्रपति ट्रंप ने पहली बार यूक्रेन को हथियार देने की घोषणा की है। अभी तक जो बाइडन के कार्यकाल में स्वीकृत हथियारों की आपूर्ति यूक्रेन को हो रही थी।

इससे पहले ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के यूक्रेन युद्ध को लेकर रुख की आलोचना की। कहा कि पुतिन दिन में मीठी बात करते हैं और रात में यूक्रेन पर बमबारी करवाते हैं, यह ठीक नहीं है। ट्रंप ने कहा, यूक्रेन को अब हम बेहद संवेदनशील हथियारों की आपूर्ति करेंगे और ये हथियार पूरा धन लेकर दिए जाएंगे।

अंतरिक्ष में लहराया भारत का परचम, शुभांशु शुक्ला की धरती पर हुई सेफ लैंडिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईएसएस पर पहली बार भारत का परचम लहराकर 140 करोड़ से अधिक भारतीयों का स्वाभिमान सातवें आसमान पर पहुंचाने वाले गगनयात्री शुभांशु शुक्ला ऐतिहासिक अंतरिक्ष यात्रा के बाद वापस लौट आए हैं।

ये भारत के नागरिकों के लिए एक भावुक करने वाला पल है। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर 18 दिनों तक रहने के बाद शुभांशु एक्सिओम-4 मिशन के अपने तीन सहयोगी अंतरिक्ष यात्रियों के साथ आज दोपहर 3:01 बजे प्रशांत महासागर में कैलिफोर्निया तट पर उतरे।

ISS से धरती के बीच वापसी में शुभांशु और उनके सहयोगियों को कुल 22 घंटों का वक्त लगा। स्पेसएक्स का क्रू ड्रैगन अंतरिक्षयान सोमवार को आईएसएस से अलग हुआ। अनडॉकिंग (आईएसएस से अंतरिक्षयान से अलग होने) की प्रक्रिया भारतीय समयानुसार सोमवार को शाम लगभग 4:45 बजे हुई।

इसके ठीक 22 घंटे बाद ये सभी अंतरिक्ष यात्री 15 जुलाई दोपहर 3 बजे धरती पर पहुंचे। कैलिफोर्निया के तट पर ड्रैगन स्प्लैशडाउन हुआ, इसके बाद सभी अंतरिक्ष यात्रियों को कैप्सूल से बाहर निकाला गया।

एक्सिओम-4 मिशन के लिए ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और उनके तीन सहयोगियों ने ढ्रस्ट पर कुल 18 दिनों का वक्त बिताया। इससे पहले शुभांशु की वापसी 11 जुलाई को होनी थी, हालांकि, किसी कारणवश इसको 3 दिनों के लिए आगे बढ़ा दिया गया।

बेंगलुरु में EYE स्पेशलिस्ट की सलाह पर भड़के कपल ने सोशल मीडिया पर निकाली भड़ास

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आपको आंखों में तकलीफ है और चीजें धुंधली दिखाई दे रही हैं, तो आप क्या करेंगे? जाहिर है किसी आई स्पेशलिस्ट के पास चेकअप करवाने जाएंगे। ऐसे में अगर डॉक्टर आपसे कहे कि आपकी आंखें कमजोर होने की वजह आपका शादीशुदा होना है और बच्चा प्लान करने से पहले सलाह जरूर ले लें, तो आप क्या करेंगे?

यह सुनने के बाद मन में पहला सवाल यही आएगा कि आखिर आंखों की रोशनी का शादी से क्या कनेक्शन है और इसका बच्चे पर कैसे असर पड़ेगा? डॉक्टर की बात सुनने के बाद बेंगलुरु के एक कपल के मन में भी बिल्कुल यही सवाल आया।

कपल ने बताई पूरी कहानी- कपल ने यह पूरी घटना सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म Reddit पर शेयर की है, जिसके बाद यूजर्स ने भी डॉक्टर के इस व्यवहार पर आपत्ति जताई है। कपल ने अपनी पोस्ट पर लिखा, हम रूटीन बॉडी चेकअप के लिए अस्पताल गए थे। इस दौरान हमारा आई टेस्ट हुआ। डॉक्टर ने पहले हमसे पूछा कि हम कहां से हैं? इस सवाल का हमारे चेकअप से कोई लेना-देना नहीं था।

तमिलनाडु सरकार ने शुरू की उंगलुदन स्टालिन योजना; घर-घर पहुंचेगी सरकारी सेवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन आज से राज्य में एक नए फ्लैगशिप प्रोग्राम की शुरुआत करने जा रहे हैं। उन्हें इसे उंगलुदन स्टालिन(स्टालिन आपके साथ है) का नाम दिया है। सीएम स्टालिन तमिलनाडु के कुड्डालोर से इस अभियान को हरी झंडी दिखाएंगे। इसके तहत राज्य सरकार के 15 विभाग 40 सरकारी सेवाओं को लोगों के घर-घर पहुंचाएंगे।

अतिरिक्त मुख्य सचिव पी. अमुधा ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि यह इस प्रोग्राम का चौथा चरण होगा। पिछले तीन चरणों के फीडबैक के आधार पर इसे शुरू किया जाएगा।

राज्य में लगेंगे कैंप- पी. अमुधा के अनुसार, यह महज एक चुनावी एजेंडा नहीं है। हम इससे पहले भी तीन सफल चरण लागू कर चुके हैं। लोगों के फीडबैक के आधार पर अब इसका चौथा चरण शुरू किया जाएगा। इसके लिए तमिलनाडु में 10,000 कैंप लगाए जाएंगे।

क्या मिलेगा लाभ- उंगलुदन स्टालिन योजना की जानकारी देते हुए पी.अमुधा ने बताया कि इसके तहत गांवों में 46 और शहरों में 43 सेवाएं शुरू की जाएंगी। इनमें पट्टा हस्तांतरण, हेल्थ बीमा के लिए नामांकन, स्वस्थ लोन जैसी योजनाएं शामिल होंगी। इसके अलावा तमिलनाडु सरकार ने महिलाओं के लिए 1,000 रुपये महीना की सहायता राशि देने का एलान किया है।

कई सालों से बंद पड़े घर में मिला 10 साल पुराना कंकाल, नोकिया फोन से खुलेगा मौत का राज

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते दिन हैदराबाद के नामपल्ली में कुछ बच्चे क्रिकेट खेल रहे थे। खेलते-खेलते अचानक उनकी बॉल सामने वाले घर में चली गई। घर कई सालों से बंद पड़ा था। बाहर से देखने में ही यह घर किसी खंडहर से कम नहीं लग रहा था। जब बच्चे अपनी बॉल लेने के लिए घर में घुसे तो सभी सन्न रह गए।

बाहर से भूतिया दिखने वाले इस घर में एक कंकाल पड़ा था। कंकाल बुरी तरह से सड़ चुका था और सिर्फ हड्डियों का कुछ हिस्सा ही दिखाई दे रहा था। कंकाल के आसपास ढेर सारे बर्तन बिखरे पड़े थे, जिससे पता चल रहा था कि शायद यह कोई रसोई घर है।

शव की हुई शिनाख्त- आसपास के लोगों को जब इसका पता चला तो उन्होंने पुलिस को जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब छानबीन शुरू की तो एक के बाद एक चौंकाने वाले साक्ष्य सामने आने लगे। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि वो कंकाल आमिर खान नामक एक बूढ़े व्यक्ति का है, जिसकी उम्र लगभग 50 साल हो सकती है।

10 साल पहले मौत की आशंका- कंकाल के पास पुलिस को नोकिया का एक पुराना फोन भी मिला है। इसके अलावा आसपास कुछ पुराने नोट भी पड़े थे, जिन्हें नोटबंदी के बाद बंद कर दिया गया था। पुराने नोट देखकर पुलिस को शक हुआ कि यह कंकाल लगभग 10 साल पुराना हो सकता है, क्योंकि नोटबंदी 2016 में हुई थी और घर में मिले नोट उससे पुराने हैं।

फोन से खुलेगा मौत का राज- पुलिस की छानबीन में पता चला कि कई सालों से बंद पड़ा यह घर मुनीर खान का था। मुनीर के 10 बच्चे थे और आमिर उसका तीसरे नंबर का बेटा था। आमिर इस घर में अकेले रहता था और उसके बाकी भाई-बहन कहीं दूर रहते हैं।

सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए समय रैना, दो हफ्ते का मिला अल्टीमेटम; कोर्ट ने क्यों कहा- आपकी टिप्पणी बेहद...

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियाज लेटेंट शो से विवादों में आए कॉमेडियन समय रैना द्वारा विकलांग व्यक्तियों और दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित लोगों की गई टिप्पणियों के संबंध में दायर याचिका पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने समय रैना और अन्य कॉमेडियनों द्वारा की गई टिप्पणी को परेशान करने वाला बताया। इसके साथ ही शीर्ष न्यायालय ने कहा कि वह व्यक्तिगत आचरण की बारीकी से जांच करेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने कॉमेडियन से मांगा जवाब- दरअसल, मंगलवार को सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने स्टैंड-अप कॉमेडियनों को निर्देश दिया कि वे उस याचिका का जवाब दें, जिसमें उनके असंवेदनशील चुटकुलों को उजागर किया गया है। इसके साथ ही कोर्ट ने आदेशित करते हुए कहा कि अगली सुनवाई के समय रैना को कोर्ट में उपस्थित रहना होगा।

इस मामले में अगली सुनवाई तीन हफ्ते बाद होगी। बता दें कि क्योर एसएमए (स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी) फाउंडेशन ऑफ इंडिया की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने आज सुनवाई की।

अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार का उल्लंघन- एनडीटीवी की एक रिपोर्ट के अनुसार, स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी फाउंडेशन की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह ने दलील देते हुए कहा कि समय रैना और अन्य कॉमेडियनों द्वारा विकलांग लोगों का मजाक उड़ाने के लिए इस्तेमाल की गई आपत्तिजनक अभिव्यक्तियां घृणास्पद भाषण हैं। समय रैना और अन्य लोगों द्वारा की गई अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के तहत किसी भी संरक्षण के योग्य नहीं हैं।

कोर्ट ने दिए ये अहम आदेश- सुप्रीम कोर्ट ने इस टिप्पणियों पर कड़ी आपत्ति जताई थी। कोर्ट ने हास्य कलाकारों को उनके अभद्र चुटकुलों के लिए अभियोग चलाने का निर्देश दिया था। वहीं, आज की सुनवाई के दौरान अदालत में हास्य कलाकारों की व्यक्तिगत उपस्थिति के बाद पीठ ने उनसे दो भीतर अपना जवाब दायर करना होगा।

क्या है निमिषा प्रिया के सजा-ए-मौत की सजा टलने का कारण? अभी भी बचा है एक रास्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमन में भारतीय नर्ष निमिषा प्रिया की फांसी की सजा फिलहाल टल गई है। निमिषा प्रिया पिछले आठ वर्षों से यमन की जेल में बंद है और वहां की सर्वोच्च अदालत ने उन्हें हत्या के जुर्म मं फांसी की सजा सुनाई है। भारत सरकार की तरफ से उन्हें रिहा कराने के तमाम कोशिशों के बावजूद पिछले दिनों निमिषा प्रिया को 16 जुलाई, 2025 को फांसी दे देने की तारीख तय की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट में दायर हुआ था मामला- विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने बताया है कि स्थानीय प्रशासन ने भारतीय नर्स को बुधवार को दी जाने वाली फांसी की सजा फिलहाल स्थगित कर दी है। इस बारे में भारत के सुप्रीम कोर्ट में भी एक मामला दायर किया गया था। केंद्र सरकार ने कोर्ट में बताया था कि चूंकि यह दूसरे देश में दायर मामला है, इसलिए सरकार बहुत कुछ नहीं कर सकती।

विदेश मंत्रालय ने की काफी मदद- विदेश मंत्रालय के सूत्रों का कहना है, निमिषा प्रिया मामला में भारतीय दूतावास लगातार स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है। खास तौर पर निमिषा प्रिया के परिजनों को हर तरह से सुझाव दिया जा रहा था और उन्हें यमन के कानूनी पहलुओं के बारे में भी जानकारी दी जा रही थी।

निमिषा प्रिया के परिजनों को पीड़ित परिवार के लोगों से संपर्क कराने में भी दूतावास ने अपनी भूमिका निभाई है ताकि इनके बीच सीधी बात हो सके। यह बेहद संवेदनशील मामला है। फिर भारतीय अधिकारी लगातार स्थानीय प्रशासन व जेल के अधिकारियों के साथ संपर्क में है जिसकी वजह से फांसी की तिथि अभी टाल दी गई है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

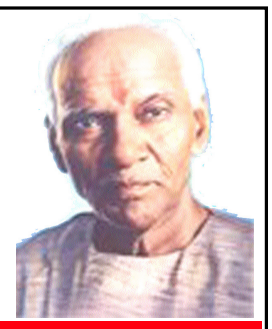

विक्रम संवत 2079 कृष्ण षष्ठमी

संपादकीय

कोई लौटा दे मेरे बीते हुए दिन सुनकर आज कई बड़े बुजुर्ग, विपत्ति पीड़ितों, दुखियारों की आंखों में आंसू आ जाते हैं

वर्ष 1964 में दूर गगन की छांव में फिल्म का गीत कोई लौटा दे मेरे बीते हुए दिन सुनकर आज कई बड़े बुजुर्ग, विपत्ति पीड़ितों, दुखियारों की आंखों में आंसू आ जाते हैं और अपने बीते हुए दिनों की यादों में खो जाते हैं जो रेखांकित करने वाली बात है,इसलिए मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि हमारे आज के युवा राष्ट्र के युवाओं को इस पर मंथन करने की जरूरत है कि आखिर क्यों? वर्तमान प्रौद्योगिकी युग में भी मनीषियों द्वारा अपने पुराने दिनों को अच्छे दिन बताया जाता है। हालांकि यह गीत 1964 का है याने आज से 58 वर्ष पूर्व भी उस समय के बुजुर्गों के भाव ऐसे थे याने जैसे जैसे समय का चक्र अपनी तेज रफ्तार से चल रहा है, हर स्थिति को बदलता जा रहा है, विज्ञान प्रौद्योगिकी डिजिटलाइजेशन में तीव्रता से विकास स्वभाविक और समय की मांग है, परंतु आज माता-पिता बेटा-बेटी भाई-बहन संयुक्त परिवार से एकल परिवार और एकल परिवार में भी बहुत खटास के बढ़ते जाने को रेखांकित कर आज हर व्यक्ति को अपने आपसे प्रश्न पूछने को की जरूरत है कि क्यों उसे बीते हुए सुहाने दिनों की लालसा है? क्यों नहीं अपने स्वभाव में, जीवन शैली में परिवर्तन लाकर खुद और परिवार के बीते हुए दिनों की मिठास ला सकते हैं। आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से रिश्तों में मिठास लाकर अपने बीते हुए दिनों को लौटाने पर,खुशहाल करने पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम पुराने दिनों की यादों की करें तो इसकी शुरुआत हम बचपन के दिनों से करते हैं, मेरा मानना है कि सबको अपने बचपन के दिनों में अधिक सुकून मिला होगा, हर किसी को अपना बचपन याद आता है। हम सबने अपने बचपन को जीया है। शायद ही कोई होगा, जिसे अपना बचपन याद न आता हो। बचपन की अपनी मधुर यादों में माता-पिता, भाई-बहन, यार-दोस्त, स्कूल के दिन, आम के पेड़ पर चढ़कर चोरी से आम खाना, खेत से गन्ना उखाड़कर चूसना और ?खेत मालिक के आने पर नौ दो ग्यारह हो जाना हर किसी को याद है। चोरी और ?चिरौरी तथा पकड़े जाने पर साफ झूठ बोलना बचपन की यादों में शुमार है। बचपन से पचपन तक यादों का अनोखा संसार है।

साथियों, छुटपन में धूल-गारे में खेलना, मिट्टी मुंह पर लगाना, मिट्टी खाना किसे नहीं याद है? और किसे यह याद नहीं है कि इसके बाद मां की प्यारभरी डांट-फटकार व रुंआसे होने पर मां का प्यारभरा स्पर्श! इन शैतानीभरी बातों से लबरेज है सारा बचपन।इसलिए पुराने दिनों की याद कर आज भी हम कहते हैं, हम भी अगर बच्चे होते,हम भी अगर बच्चे होते, नाम हमारा होता गबलू-बबलू, खाने को मिलते लड्डू,और दुनिया कहती हैप्पी बर्थडे टू यू,।

साथियों बात अगर हम अपने युवापन के यादों की करें तो हमारे रिश्तो में कुछ और रिश्तो की कड़ियां जुड़ी, हमें माँ बाप भाई बहन पति पत्नी सास ससुर न जाने कितने रिश्तों में जोडा है ये रिश्ते आसानी से जुड़ गए, जिससे बचपन की अपेक्षा स्थिति कुछ कठिन हुईरिश्तो में अपेक्षाकृत प्यार कम होता चला गया, लेकिन अब हम इन्हें कैसे बनाते है ।अच्छा या बुरा ,मजबूत या कमजोर ये हम पर निर्भर करता है और हर रिश्ता भावनाओ और आपसी समझ से एक दूसरे को जोड़ता है। और इन्हें प्यार के रिश्ते कहते है। और जो रिश्ता प्यार का और भावनाओ का बनता है उन्हें तोडना भी भुत मुश्किल है। और जिन रिश्तों में प्यार और भावनाये नही है वो शायद समाज के आगे दिखावे के लिए जुड़े भी रहे लेकिन दिल में ज्यादा दिन तक रहते है।

जगदीशचन्द्र माथुर

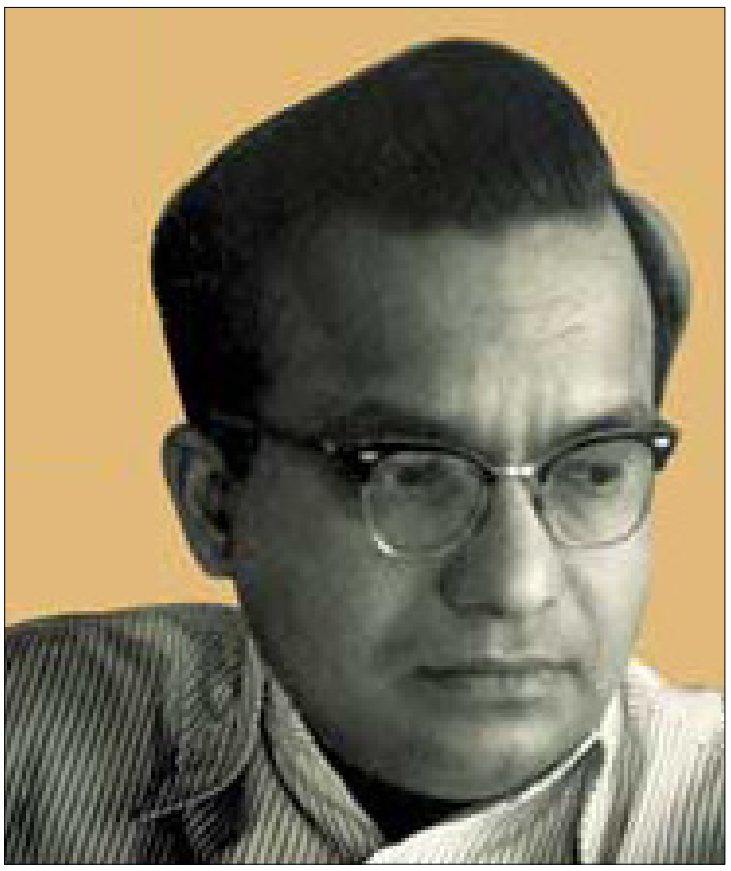

जगदीशचन्द्र माथुर हिन्दी के प्रसिद्ध साहित्यकारों में से एक थे, जिन्होंने आकाशवाणी में काम करते हुए हिन्दी की लोकप्रियता के विकास में महत्वपूर्ण योगदान किया। टेलीविज़न उन्हीं के जमाने में वर्ष 1949 में शुरू हुआ था। हिन्दी और भारतीय भाषाओं के तमाम बड़े लेखकों को वे ही रेडियो में लेकर आए थे। सुमित्रानंदन पंत से लेकर रामधारी सिंह दिनकर और बालकृष्ण शर्मा नवीन जैसे दिग्गज साहित्यकारों के साथ उन्होंने हिंदी के माध्यम से सांस्कृतिक पुनर्जागरण का सूचना संचार तंत्र विकसित और स्थापित किया था।

जीवन परिचय- जगदीशचन्द्र माथुर का जन्म 16 जुलाई, 1917 ई. खुर्जा, बुलंदशहर ज़िला, उत्तर प्रदेश में हुआ। प्रारंभिक शिक्षा खुर्जा में हुई। उच्च शिक्षा युइंग क्रिश्चियन कॉलेज, इलाहाबाद और प्रयाग विश्वविद्यालय में हुई। प्रयाग विश्वविद्यालय का शैक्षिक वातावरण और प्रयाग के साहित्यिक संस्कार रचनाकार के व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका हैं। 1939 ई. में प्रयाग विश्वविद्यालय से एम.ए. (अंग्रेज़ी) करने के बाद 1941 ई. में इंडियन सिविल सर्विस में चुन लिए गए।

कार्यक्षेत्र- सरकारी नौकरी में 6 वर्ष बिहार शासन के शिक्षा सचिव के रूप में, 1955 से 1962 ई. तक आकाशवाणी-भारत सरकार के महासंचालक के रूप में, 1963 से 1964 ई. तक उत्तर बिहार (तिरहुत) के कमिश्नर के रूप में कार्य करने के बाद 1963-64 में हार्वर्ड विश्वविद्यालय, अमेरिका में विज़िटिंग फेलो नियुक्त होकर विदेश चले गए। वहाँ से लौटने के बाद विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर काम करते हुए 19 दिसम्बर 1971 ई. से भारत सरकार के हिंदी सलाहकार रहे। इन सरकारी नौकरियों में व्यस्त रहते हुए भी भारतीय इतिहास और संस्कृति को वर्तमान संदर्भ में व्याख्यायित करने का प्रयास चलता ही रहा।

साहित्यिक परिचय- अध्ययनकाल से ही उनका लेखन प्रारंभ होता है। 1930 ई. में तीन छोटे नाटकों के माध्यम से वे अपनी सृजनशीलता की धारा के प्रति उन्मुख हुए। प्रयाग में उनके नाटक चाँद, रुपाभ पत्रिकाओं में न केवल छपे ही, बल्कि इन्होंने वीर अभिमन्यु, आदि नाटकों में भाग लिया। भोर का तारा में संग्रहीत सारी रचनाएँ प्रयाग में ही लिखी गईं। यह नाम प्रतीक रूप में शिल्प और संवेदना दोनों दृष्टियों से जगदीशचन्द्र माथुर के रचनात्मक व्यक्तित्व के भोर का तारा ही है। इसके बाद की रचनाओं में समकालीनता और परंपरा के प्रति गहराई क्रमशः बढ़ती गई है। व्यक्तियों, घटनाओं और देशके विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों से प्राप्त अनुभवों ने सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है।

मुख्य कृतियाँ

भोर का तारा (1946 ई.),
कोणार्क (1950 ई.),
ओ मेरे सपने (1950 ई.)
शारदीया (1959 ई),
दस तस्वीरें (1962 ई.),
परंपराशील नाट्य (1968 ई.),
पहला राजा (1970 ई.)
जिन्होंने जीना जाना (1972 ई.)

साहित्यिक विशेषताएँ

जगदीशचन्द्र माथुर जी के प्रारंभिक नाटकों में कौतूहल और स्वच्छंद प्रेमाकुलता है। भोर का तारा में कवि शेखर की भावुकता पर्यावरण में घटित करने या रचने का मोह भी प्रारंभ से मिलता है। परंतु समसामयिक को अनुभव के रूप में अनुभूत करके उसकी प्रामाणिकता को संस्कृति के माध्यम से सिद्ध करने का जो आग्रह उनके नाटकों में हैं उसकी रचनात्मक संभावना का प्रमाण कोणार्क में है। परंपरा को माध्यम और संदर्भ के रूप में प्रयोग करने की कला में माथुर सिद्दहस्त हैं। परंतु इसका तात्पर्य यह नहीं कि यही उनका सब कुछ है, बल्कि उन्होंने रीढ़ की हड्डी आदि ऐसे नाटक भी लिखे जिनका संबंध समाज के भीतर के बदलते रिश्तों और मानवीय संबंधों से है। शारदीया के सारे नाटकों में समस्या को व्यापक परिप्रेक्ष्य में रखकर देखने का आभास अवश्य है, परंतु समस्या मात्र का परिवृत्त इतना छोटा है कि वह किसी व्यापक सत्य का आधार नहीं बन पाती। वस्तुतः माथुर छायावादी संवेदना के रचनाकार हैं। यह संवेदना भोर का तारा से लेकर पहला राजा तक में कमोबेश मिलती है। यह अवश्य है कि यह छायावादिता नाटक के विधागक संस्कार और यथार्थ के प्रति गहरी संसक्ति के कारण कोणार्क और पहला राजा में काफ़ी संस्कारित हुई है।

समीक्षा- कोणार्क उत्तम नाटक है। इतिहास, संस्कृति और समकालीनता मिलकर निरवधिकाल की धारणा और मानवीय सत्य की आस्था को परिपुष्ट करते हैं। घटना की तथ्यता और नाटकीयता के बावजूद महाशिल्पी विशु की चिंता और धर्मपद का साहसपूर्ण प्रयोग, व्यवस्था की अधिनायकवादी प्रवृत्ति से लड़ने और जुझने की प्रक्रिया एवं उसकी परिणति का संकेत नाटक को महत्वपूर्ण रचना बना देता है। कल्पना की रचनात्मक सामर्थ्य और संस्कृति का समकालीन अनुभव कोणार्क की सफल नाट्य कृति का कारण है। कोणार्क के अंत और घटनात्मक तीव्रता तथा परिसमाप्ति पर विवाद संभव है, परंतु उसके संप्रेषणात्मक प्रभाव पर प्रश्न चिन्ह संभव नहीं है। पहला राजा नाटक के रचना-विधान और वातावरण को माध्यम और संदर्भ में रूप में प्रयोग करके लेखक ने व्यवस्था और प्रजाहित के आपसी रिश्तों को मानवीय दृष्टि से व्याख्यायित करने का प्रयास किया है। स्पुतनिक, अपोलो आदि के प्रयोग के कारण समकालीनता का अहसास गहराता है। पृथु, उर्वी, कवष आदि का प्रयास और उसका परिणाम सब मिलकर नाटक की समकालीनता को बराबर बनाए रखते हैं। पृथ्वी की उर्वर शक्ति, पानी और फावड़ा-कुदाल आद् को उपयोग रचना के काल को स्थिर करता है। परंपराशील नाट्य महत्वपूर्ण समीक्षा-कृति है। इसमें लोक नाट्य की परंपरा और उसकी सामर्थ्य के विवेचन के अलावा नाटक की मूल दृष्टि को समझाने का प्रयास किया गया है। रामलीला, रासलीला आदि से संबद्ध नाटकों और उनकी उपादेयता के संदर्भ में परंपरा का समकालीन संदर्भ में महत्व और उसके उपयोग की संभावना भी विवेच्य है। दस तसवीरें और इन्होंने जीना जाना है रचनाकार के मानस पर प्रभाव डालने वाले व्यक्तियों की तस्वीरें और जीवनियाँ हैं, जिनका महत्व उनके रेखांकन और प्रभावांकन की दृष्टि से अक्षुण्ण है।

सूचना संचार क्राँति के जनक- जगदीशचंद्र माथुर को याद करना, सूचना संचार माध्यमों में हुई क्राँति को याद करना है। उनकी स्मृति को लेकर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, दिल्ली ने एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया। इसकी वजह थी कि जगदीशचंद्र माथुर हिंदी के बहुत महत्वपूर्ण नाटककार थे। यों तो जयशंकर प्रसाद के बाद नाटक लेखन के क्षेत्र में लक्ष्मी नारायण मिश्र एक बड़ा नाम हैं पर इतिहास के परिप्रेक्ष्य में प्रसाद की परंपरा से अलग हटकर प्रयोगशील नाटक लिखने की पहल जगदीशचंद्र माथुर ने अपने अप्रतिम नाटक 'कोणार्क' से की। वे एक सिद्धहस्त एकांकीकार भी थे। उनकी प्रयोगशीलता का सफल प्रमाण यही है कि उनके सम्पूर्ण नाटक 'कोणार्क' में एक भी नारी पात्र नहीं है लेकिन फिर भी वह बेहद सफलतापूर्वक मंचित होकर दर्शकों का चहेता मंच नाटक बना रहा है। और आज भी वह कई संदर्भों में चर्चा का केंद्र बना रहता है। यह मामूली बात नहीं है क्योंकि 'कोणार्क' नाटक की रचना आज से लगभग छह दशक पहले हुई थी।

एआईआर से आकाशवाणी तक- प्रसिद्ध साहित्यकार कमलेश्वर के अनुसार जगदीशचंद्र माथुर एक साथ ही इंडियन सिविल सर्विस के वरिष्ठ प्रशासक, साहित्यकार और संस्कृति पुरुष थे। ज़माना नेहरू जी का था। गुलामी से मुक्त होकर देश ने आज़ादी की साँस ली थी। परिवर्तन और निर्माण का दौर था। अंग्रेज़ों की दासता की दो सदियों के बाद आज़ाद देश के भविष्य की सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था को लोकतांत्रिक संस्थानों को सांस्कृतिक सवालों को तब जल्द से जल्द तय किया जाना, सुलझाना और उनकी दिशाएँ सुनिश्चित करने का दायित्व सामने था। परिवर्तन और राष्ट्र निर्माण के ऐसे ऐतिहासिक समय में जगदीशचंद्र माथुर, आईसीएस, ऑल इंडिया रेडियो के डायरेक्टर जनरल थे।

दुनिया का सबसे महंगा पनीर, 1 किलो की कीमत में खरीद लेंगे Creta या Scorpio जैसी कार

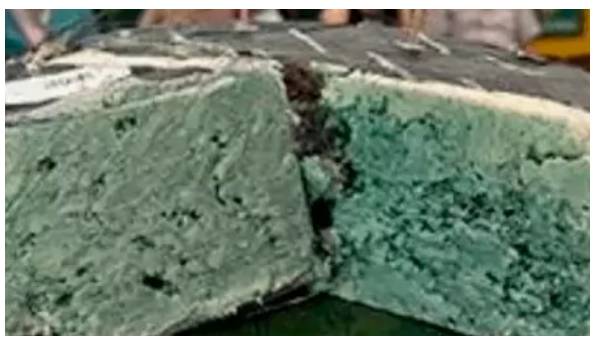

नई दिल्ली (एजेंसी)। आपने पनीर अधिकतम कितने रु किलो में खरीदा है? जाहिर है कि 1 किलो पनीर 450-500 रु में मिल जाता है। मगर क्या आपने दुनिया के सबसे महंगे पनीर के बारे में सुना है? उसका रेट जानकर आप दांतों तले उंगलियां दबा लेंगे। यहां हम आपको दुनिया के सबसे महंगे पनीर के बारे में बताएंगे, जो कि एक नीलामी में लाखों रु की कीमत पर बिका है। इस 1 किलो पनीर की कीमत में आप कोई कार खरीद लेंगे।

18,00,000 रु है 1 किलो की कीमत

न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार एक खास पनीर, जो कि स्पेनिश ब्लू चीज है, का 2 किलो का टुकड़ा करीब 36 लाख रु में नीलाम हुआ है। यानी 1 किलो का दाम हुआ करीब 18 लाख रु है। इतने में आप Creta या Scorpio जैसी कार खरीद लेंगे। इस पनीर को कैब्रालेस नाम दिया गया है।

बन गया वर्ल्ड रिकॉर्ड- दुनिया के सबसे महंगे पनीर की नीलामी स्पेन में हुई और इसके साथ ही ये गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बन गया। गौरतलब है कि इस पनीर को Angel Diaz Herrero Cheese Factory में तैयार किया गया है। फिर इसे 10 महीने तक एक गुफा में रखा गया।

कौन है खरीदार- दुनिया के सबसे महंगे पनीर का टुकड़ा स्पेन के अस्टुरियस में मौजूद रेस्टोरेंट एल लागर डी कोलोटो के ओनर इवान सुआरेज ने खरीदा है। इस पनीर को गाय, बकरी और भेड़ के बिना प्रोसेस दूध से तैयार और फिर नेचुरल चूना पत्थर की गुफाओं में रखा जाता है।

इससे पनीर में खास मसालेदार और नमकीन स्वाद आता है और इसका रंग भी हरा-नीला हो जाता है।

क्यों बिका इतना महंगा- इस आयोजन (सबसे महंगे पनीर की नीलामी) की शुरुआत 52वीं सालाना ÷सर्वश्रेष्ठ पनीर÷ प्रतियोगिता, मेजोर क्रेसो डेल सर्टामेन से हुई, जहाँ एक समिति ने 15 अलग-अलग फैक्ट्री में बने पनीर का स्वाद चखा और उन्हें रैंक दी।

परंपरा के अनुसार, सबसे बेहतर पनीर की नीलामी करके उसे सबसे अधिक बोली लगाने वाले को दे दिया गया।

प्लॉट के लिए इन शहरों में बढ़ी लोगों की सबसे ज्यादा दिलचस्पी, हैदराबाद -इंदौर टॉप पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। यदि आप सोच रहे हैं कि घर बनाने के लिए जमीन कहां सस्ती या ज्यादा बिक रही है। तो यहां हम हाल ही में आई ताजा रिपोर्ट आपके काम की हो सकती है। ह्स्श्व में लिस्टेड रियल एस्टेट डेटा एनालिटिक्स फर्म प्रॉपइक्विटी की रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2022 से मई 2025 तक देश के टॉप 10 शहरों में करीब 4.7 लाख रेजिडेंशियल प्लॉट्स लॉन्च किए गए हैं। इसमें सबसे ज्यादा प्लॉट्स हैदराबाद, इंदौर और बेंगलुरु में लॉन्च हुए हैं।

सिर्फ इंदौर, चेन्नई और हैदराबाद में 2024 में सबसे ज्यादा नए प्लॉट्स लॉन्च हुए। खास बात ये है कि जहां एक ओर प्लॉट्स की सप्लाई में 23त्न गिरी है, वहीं कीमतों में 27त्न का उछाल आया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, टॉप 10 शहरों में जिन जगहों पर सबसे ज्यादा प्लॉट्स लॉन्च हुए, उनमें हैदराबाद, इंदौर, बेंगलुरु, चेन्नई, नागपुर, जयपुर, कोयंबटूर, मैसूर, रायपुर और सूरत शामिल हैं।

इनमें हैदराबाद, बेंगलुरु और चेन्नई जैसे टियर-1 शहरों से करीब 2.25 लाख प्लॉट्स यानि कुल सप्लाई का 48 फीसदी आए हैं। वहीं, टियर-2 शहरों से करीब 2.43 लाख प्लॉट्स का 52 फीसदी का योगदान रहा। प्लॉट्स की सप्लाई 2024 में घटी है कुल 1,26,556 यूनिट्स लॉन्च हुए, जो कि 2023 के मुकाबले 23त्न कम है।

सिर्फ 5000 रुपए हर महीने जमा कर रिटायरमेंट पर मिल जाएंगे 2.5 करोड़ रुपए, ये कोई जादू नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस महंगाई के जमाने में रिटायरमेंट का सोचना सही है, क्योंकि ऐसा समय जब आपकी कोई कमाई न हो, उस समय आपका आर्थिक रूप से किसी पर निर्भर न रहना जरूरी है। इसके लिए आपका पहले से फंड जुटाना जरूरी है। आइए जानते हैं कि आप 5000 रुपये से 2.5 करोड़ रुपये का फंड कैसे जुटाएंगे।

आप 2.5 करोड़ रुपये का फंड जुटाने के लिए एसआईपी का उपयोग कर सकते हैं। चलिए इसकी पूरी कैलकुलेशन समझते हैं।

अगर आप 5000 रुपये की म्यूचुअल फंड एसआईपी से 2.5 करोड़ रुपये जुटाना चाहते हैं, तो आपको 35 साल तक निवेश करना होगा। अगर आप 25 साल की उम्र में भी 5000 रुपये की एसआईपी करते हैं, तो 12 फीसदी न्यूनतम रिटर्न के हिसाब से 35 साल में 2.5 करोड़ रुपये जुटा लेंगे।

हमने यहां 12 फीसदी रिटर्न इसलिए माना है, क्योंकि म्यूचुअल फंड में न्यूनतम अनुमानित रिटर्न 12 से 14 फीसदी होता है।

अगर आप 25 साल के बाद निवेश करते हैं, तो आप ये निवेश रकम बढ़ा सकते हैं। जैसे अगर आप 30 साल से निवेश शुरू करते हैं, तो 8400 रुपये की एसआईपी शुरू कर सकते हैं। 12 फीसदी रिटर्न के हिसाब से 8400 रुपये एसआईपी में आपको मैच्योरिटी 2,58,80,175 रुपये मिलेंगे।

एसआईपी में आपको कई तरह की फ्लेक्सिबिलिटी मिलती है। जैसे आप अपने अनुसार अवधि चुन सकते हैं। वहीं निवेश की रकम को बढ़ाया जा सकता है। इसके अलावा अगर कोई आर्थिक आपदा आ जाए, तो एसआईपी को बीच में रोक भी कर सकते हैं।

किसने BSE के 570 करोड़ के शेयर खरीदकर स्टॉक मार्केट में मचा दी हलचल? 8 जुलाई को हुआ था सौदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। रणनीतिक निवेश और पोर्टफोलियो मैनेज करने वाली कंपनी ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (ह्स्श्व) के शेयरों बड़ी खरीदारी करके शेयर मार्केट में हलचल मचा दी। ग्रेविटॉन रिसर्च कैपिटल एलएलपी ने 8 जुलाई 2025 को बीएसई के 22.93 लाख शेयर खरीदे। इस डील की कीमत करीब 570.07 करोड़ रुपए रही। फर्म ने यह खरीदारी बल्क डील के जरिए की, जिसमें कंपनी की 0.56 फीसदी की हिस्सेदारी शामिल थी।

डील में हर शेयर की औसत कीमत 2,486.14 रुपए रही। फर्म की इस डील से शेयर मार्केट में तहलका मच गया, क्योंकि इतनी बड़ी मात्रा में शेयरों की खरीदारी ने निवेशकों को अपनी ओर आकर्षित किया। बल्क सौदे को लेकर बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि यह खरीदारी बीएसई के भविष्य में निवेशकों के भरोसे को दिखाती है।

ग्रेविटॉन रिसर्च कैपिटल एलएलपी एक फाइनेंशियल कंपनी है, जो स्टॉक मार्केट में निवेश और ट्रेडिंग का काम करती है। यह कंपनी शेयर मार्केट में बड़ी मात्रा में शेयरों की खरीद और बिक्री के लिए जानी जाती है। साथ ही, यह फर्म बड़े निवेशकों के लिए स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट और पोर्टफोलियो मैनेजमेंट जैसी सेवाएं भी देती है।

यह एक अनलिस्टेड प्राइवेट लिमिटेड पार्टनरशिप फर्म है। इसलिए इसका मार्केट कैप, रेवेन्यू और नेट प्रॉफिट की जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है।

भारत में यह शख्स है अमेरिकी राष्ट्रपति का खास दोस्त, संभालते हैं ट्रंप फैमिली का बिजनेस, ट्रंप जूनियर से याराना

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, प्रेसिडेंट बनने से पहले एक बड़े बिजनेसमैन रह चुके हैं, और उनका प्रॉपर्टी व रियल एस्टेट बिजनेस आज भी जारी है। यूएस के साथ-साथ ट्रंप का प्रॉपर्टी बिजनेस अन्य देशों में भी फैला हुआ। खास बात है कि भारत में ट्रंप अपने प्रॉपर्टी कारोबार को एक बिजनेस पार्टनर के जरिए चला रहे हैं। हिंदुस्तान में उनके इस बिजनेस पार्टनर का नाम है कल्पेश मेहता, जो Tribeca Developers के फाउंडर हैं।

कल्पेश मेहता, ग्लोबल लक्ज़री ब्रांड्स के साथ अपने बेहतर रिलेशन के लिए जाने जाते हैं। कल्पेश मेहता ही वह शख्स हैं जिन्होंने ट्रम्प टावर्स ब्रांड को भारत में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

13 साल से ट्रंप के साथ कल्पेश का याराना- कल्पेश मेहता कंपनी ट्रिबेका, भारत में ट्रंप टावर्स प्रोजेक्ट्स के लिए लाइसेंस प्राप्त भारतीय पार्टनर है और 13 साल से अधिक समय से ट्रंप ऑर्गनाइजेशन के साथ पार्टनरशिप में है। 2012 में, कल्पेश मेहता ने द ट्रम्प ऑर्गनाइज़ेशन के साथ एक स्पेशल लाइसेंसिंग एग्रीमेंट पर साइन किए थे।

कल्पेश मेहता, भारत के रियल एस्टेट मार्केट में बड़ा नाम है, साथ ही विदेशों में भी विभिन्न उद्योगों के प्रभावशाली लोगों के साथ उनके गहरे संबंध है। दुनिया के फेमस व्हार्टन स्कूल ऑफ फाइनेंस से ग्रेजुएट कल्पेश मेहता की डोनाल्ड ट्रंप जूनियर के साथ काफी अच्छी दोस्ती है और इसी वजह से कल्पेश ट्रंप फैमिली के काफी करीब आए।

बड़े शहरों में बनाए ट्रंप टावर- कल्पेश मेहता के साथ साझेदारी में ट्रम्प ऑर्गनाइज़ेशन ने भारत भर में ट्रंप टावर्स ब्रांड के तहत कुछ प्रॉपर्टी प्रोजेक्ट्स को डेवलप किया है। इनमें मुंबई, पुणे, गुरुग्राम और कोलकाता जैसे प्रमुख शहर शामिल हैं। भारत में फिलहाल लगभग 35 लाख वर्ग फुट में फैली चार ट्रम्प टावर प्रॉपर्टीज हैं, और अन्य प्रोजेक्ट्स पर काम जारी है।

मुबारक हो! देश के दूसरे सबसे बड़े बैंक ने घटाई Home Loan दरें

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के सबसे बड़े बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने होम ब्याज दर रिवाइज किया है। इसके साथ ही एफडी रेट भी रिवाइज किया गया है। इस आर्टिकल के माध्यम से जानेंगे कि होम लोन ब्याज दर कितना घटा है। वहीं ब्याज दर कम से होने से ईएमआई कितनी कम हुई है।

ये उन लोगों के लिए अच्छी खबर है, जिन्होंने होम लोन फ्लोटिंग रेट पर लिया है। हर बैंक के फ्लोटिंग रेट बदलते रहते हैं। पहले जानते हैं कि बैंक ने होम लोन ब्याज दर कितना कम किया है।

कितना घटाया ब्याज दर- स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने अपने एमसीएलआर रेट 0.25 फीसदी घटाए हैं। बैंक अपनी नई दर 15 जुलाई 2025 से लागू करेगी। एमसीएलआर को मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स बेस्ड लेंडिंग रेट कहा जाता है। इसी के आधार पर बैंक ब्याज दर तय करती है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

पुणे की महिला से नौकरी के नाम पर 3.20 लाख की ठगी, 5 राज्यों से जुड़ा है फर्जीवाड़े का नेटवर्क

बालाघाट। देश में तेजी से फैल रहे नौकरी के नाम पर ठगी के रैकेट का एक और मामला सामने आया है। इस बार शिकार बनी हैं महाराष्ट्र के पुणे शहर की एक शिक्षित महिला, जिससे 3 लाख 20 हजार रुपये की ठगी की गई। ये ठगी सरकारी नहीं, बल्कि निजी कंपनी में नौकरी दिलाने के नाम पर की गई, जिससे यह साफ हो गया कि गिरोह का जाल अब सिर्फ सरकारी नौकरियों तक सीमित नहीं रहा।भरवेली पुलिस की जांच में चौंकाने वाले खुलासे

बालाघाट जिले की भरवेली पुलिस इस मामले की तह तक पहुंच रही है। जांच में सामने आया कि पीड़िता से ली गई रकम का लेन-देन वारासिवनी स्थित एक कियोस्क सेंटर के जरिये हुआ है। पुलिस ने कियोस्क संचालक से पूछताछ शुरू कर दी है और उस चैन को खंगालने

में जुटी है, जिससे ठगों तक पहुंचा जा सके।

5 राज्यों से जुड़ा है ठगों का नेटवर्क जांच में यह भी स्पष्ट हो गया है कि यह कोई अकेली घटना नहीं है। फर्जीवाड़े के तार मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली और महाराष्ट्र से जुड़े हुए हैं। यह संगठित गिरोह विभिन्न राज्यों में सक्रिय है और बेरोजगार युवाओं को नौकरी का लालच देकर लाखों रुपये ठग रहा है। गिरोह की रणनीति काफी शातिर है ङ्क पहले भरोसे में लेना, फिर इंटरव्यू या दस्तावेज भेजने की प्रक्रिया दिखाकर किस्तों में रकम ऐंठना।

पीड़िता ने सुनाई आपबीती

पुणे की महिला ने पुलिस को बताया कि उसे पुणे में ही एक निजी कंपनी में टाइपिस्ट की नौकरी का झांसा दिया गया था। नौकरी की प्रक्रिया पूरी करवाने के नाम पर उससे 3.20 लाख रुपये ठग लिए गए। जब काफी समय तक जॉइनिंग नहीं मिली और फोन बंद होने लगे, तब उसे शक हुआ और वह पुलिस के पास पहुंची।पुणे में दी गई दबिश

भरवेली थाना प्रभारी संजय ऋषिश्वर ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने पुणे में दबिश भी दी। वहां पीड़िता के बयान लिए गए हैं और उसके पति से भी जानकारी एकत्र की गई है। पुलिस अब इस नेटवर्क के अन्य पीड़ितों तक पहुंचने और ठगों की पहचान करने की कोशिश कर रही है।

बैंक बीसी सखियां बनीं बदलाव की मिसाल, खुद का स्वरोजगार खड़ा कर औरों को भी दी राहत

बड़वानी। 15 जुलाई को विश्व युवा कौशल दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य युवाओं को कौशलयुक्त बनाकर उन्हें रोजगार और उद्यमिता के लिए प्रेरित करना है। इसी अवसर पर हम मिलवा रहे हैं बड़वानी जिले की उन युवतियों से, जिन्होंने बैंकिंग क्षेत्र में बीसी (बिजनेस कॉरेस्पॉन्डेंट) और बैंक सखी बनकर न केवल खुद को आत्मनिर्भर बनाया, बल्कि ग्रामीण समाज में वित्तीय समावेशन की नई मिसाल भी कायम की है। सारिका चौहान - तीन हजार खाते, तीन हजार उम्मीदें

ग्राम मंडवाड़ा की सारिका चौहान आज गांव-गांव जाकर न सिर्फ बुजुर्गों को घर पर पेंशन देती हैं, बल्कि महिलाओं को डिजिटल बैंकिंग से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बना रही हैं। सारिका अब तक करीब 3000 से अधिक बैंक खाते खोल चुकी हैं और ग्रामीणों को मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, एईपीएस जैसे डिजिटल माध्यमों की जानकारी भी दे रही हैं।

पूर्वा पंवार - महिलाओं की आर्थिक साथी अंजड़ व ठीकरी क्षेत्र में बीसी सखी के रूप में कार्यरत पूर्वा पंवार ने 100 महिला समूहों के बैंक खाते खुलवाकर उन्हें डिजिटल वित्तीय प्रणाली से जोड़ा है। पूर्वा हर दिन गांव में जाकर अपनी मोबाइल बैंकिंग सेवा के ज़रिए लेन-देन कराती हैं और करीब 1500 से अधिक ग्रामीणों को लाभ पहुंचा चुकी हैं।

पुलिस की वर्दी में शर्मनाक हरकत , High Court ने की सख्त कार्रवाई

ग्वालियर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने इंटरनेट मीडिया के जरिए अपनी तलाकशुदा पत्नी को बदनाम करने वाले पुलिस आरक्षक अरविंद गौड़ के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने पुलिस अधीक्षक मुरैना को निर्देश दिए हैं कि वे एक सप्ताह के भीतर जांच पूरी कर दोषी पाए जाने पर उचित विभागीय और कानूनी कार्रवाई करें।

यह मामला ग्वालियर निवासी रामकुमार गौड़ द्वारा दायर याचिका से जुड़ा है। याचिकाकर्ता ने बताया कि उनकी बेटी की शादी वर्ष 2014 में मुरैना के बानमोर थाने में पदस्थ आरक्षक अरविंद गौड़ से हुई थी। लेकिन शादी के कुछ वर्षों बाद ही आरक्षक द्वारा मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना के चलते 2023 में दोनों का तलाक हो गया।दूसरी शादी से चिढ़ा आरक्षक

तलाक के बाद लड़की के पिता ने 2 जून 2025 को अपनी बेटी का पुनः विवाह करवा दिया। इसी बात से चिढ़कर आरक्षक अरविंद गौड़ ने इंटरनेट मीडिया का दुरुपयोग शुरू कर दिया। उसने फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप पर न केवल अपनी तलाकशुदा पत्नी, बल्कि पूरे परिवार के खिलाफ अश्लील और अपमानजनक मैसेज पोस्ट किए, जिससे परिवार की सामाजिक छवि धूमिल हुई।

शिकायत के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

इस मामले की गंभीरता को देखते हुए रामकुमार गौड़ ने पुलिस अधीक्षक मुरैना को शिकायत पत्र सौंपा, लेकिन उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की। ऐसे में याचिकाकर्ता ने अधिवक्ता अवधेश सिंह भदौरिया के माध्यम से हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

हाई कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान अधिवक्ता भदौरिया ने तर्क दिया कि आरक्षक का यह कृत्य केवल आपराधिक नहीं है, बल्कि एक शासकीय सेवक के कदाचार की श्रेणी में भी आता है। ऐसे में उसके खिलाफ विभागीय जांच और दंडात्मक कार्रवाई दोनों जरूरी हैं।

हाईकोर्ट का आदेश

याचिकाकर्ता के तर्कों से सहमत होते हुए हाई कोर्ट ने पुलिस अधीक्षक मुरैना को निर्देश दिए कि याचिकाकर्ता द्वारा की गई शिकायत की एक सप्ताह में जांच पूरी करें। अगर आरक्षक दोषी पाया जाता है, तो उचित विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई की जाए।

नहाने की बात पर छोटे भाई से विवाद, 12 साल के बच्चे ने फांसी लगाई

इंदौर। साउथ तोड़ा में 12 वर्षीय आतिफ अंसारी ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। उसकी छोटे भाई से नहाने की बात पर कहासुनी हो गई थी। गुस्से फांसी लगाकर जान दे दी। रावजी बाजार पुलिस ने मर्ग कायम किया है। शव का पोस्ट मार्टम करवाया गया है। पहले मुझे नहाना है एएसआइ रघुवीर जाट के अनुसार आतिफ पुत्र अब्दुल वाहिद अंसारी सातवीं में पढ़ता था। स्वजन ने पुलिस को बताया सोमवार को छोटे भाई के साथ छत पर था। 9 वर्षीय छोटे भाई अफनान के साथ वर्षा के पानी में नहा रहे थे। आतिफ को मदरसा में पढ़ने जाना था। उसने अफनान को रोका और कहा कि पहले मुझे नहाना है।

वाशिंग मशीन पर चढ़ कर दुपट्टे से लगाई फांसी अफनान ने उसको नहाने नहीं दिया। इसके बाद आतिफ गुस्से में बाथरुम में गया और वाशिंग मशीन पर चढ़ कर दुपट्टे से फांसी लगा ली। फूफा मोहम्मद शरीफ के अनुसार आतिफ गुस्सेल प्रवृति का था। उसने चार दिन पूर्व भी खुद को रुम में बंद कर लिया था। एएसआइ के मुताबिक स्वजन के कथन ले लिए है।

पहले शहडोल अब उमरिया... 8 ऑटो को दिए 16 हजार , बिल मामले पर कांग्रेस का आरोप

उमरिया, बिरसिंहपुर पाली। शहडोल के बाद अब उमरिया जिले की पंचायतों से भी मनमानी भुगतान का एक बिल सामने आया है। जिले के पाली जनपद के ग्राम पंचायत बड़वाही में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में भीड़ ले जाए जाने के लिए 8 ऑटो को 16 हजार रुपए का भुगतान किया गया है।

यह बिल सात जून 2025 का है। पेसा एक्ट के तहत ग्राम पंचायत गोरईया में आयोजित मुख्यमंत्री महासम्मेलन में भाग लेने के लिए ग्रामीणों को ले जाने के लिए पंचायत से ऑटो किराया के नाम पर 16,000 रुपये का भुगतान किया गया। कांग्रेस ने लगाए आरोप

पूर्व विधायक और जिला कांग्रेस कमेटी उमरिया के अध्यक्ष अजय सिंह ने इस पूरे प्रकरण को लेकर पंचायत और प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत गोरईया में आयोजित मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बड़वाही पंचायत से ग्रामीणों को ले जाने हेतु जिन आठ ऑटो का भुगतान किया गया, वह वास्तविक दूरी और दर से कहीं अधिक है।

अजय सिंह ने कहा कि बड़वाही से गोरईया की दूरी इतनी नहीं है कि एक ऑटो का 2000 रुपये भुगतान किया जाए। यह सीधा-सीधा फर्जीवाड़ा और पंचायत फंड का दुरुपयोग है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि यह भुगतान विकास कार्यों के फंड से किया गया, जिससे गांव के मूलभूत विकास कार्य प्रभावित होंगे। ग्रामवासियों के हक का पैसा दिखावे में खर्च कर ग्रामीणों को ठगा जा रहा है।

इस मामले में जब ग्राम पंचायत के सचिव ओमकार द्विवेदी से चर्चा की गई तो उन्हों ने कहा कि यह प्रशासनिक कार्य था, और इसके लिए सीईओ के आदेश थे। इस कार्य में पंचायत के फंड की राशि खर्च नहीं कि गई है। जनपद पंचायत पाली के सीईओ कुंवर कन्हाई से बात की गई, तो उन्होंने पुष्टि की कि पंचायत स्तर पर लोगों को एकत्र कर कार्यक्रम में भेजने के लिए मौखिक निर्देश दिए गए थे।

नहीं जारी किया गया था लिखित आदेश

हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इसका कोई लिखित आदेश जारी नहीं किया गया था। कुंवर कन्हाई ने कहा, मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में भीड़ जुटाने की जिम्मेदारी पंचायतों को दी गई थी, और उसी के तहत भुगतान पंचायतों के फंड से किया गया। यह मौखिक आदेश के तहत किया गया, जिसकी जानकारी संबंधित पंचायतों को थी।

हैकाथॉन में आईटी, एआई क्षेत्र के विशेषज्ञ, नवाचारकर्ता और तकनीकी विद्यार्थियों कर सकते है भागीदारी

प्रतियोगिता में विजेताओं को मिलेंगे लाखों रुपये के पुरस्कार, आवेदन की अंतिम तिथि 20 जुलाई

इंदौर। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर ने एक और स्मार्ट पहल की है। इंदौर स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट लिमिटेड द्वारा आयोजित इंदौर स्मार्ट सिटी हैकाथॉन 2025 का शुभारंभ किया जा रहा है। यह आयोजन इंदौर को नवाचार हब बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो युवाओं को तकनीकी समाधान प्रस्तुत करने का अवसर देगा और प्रशासनिक तंत्र को और अधिक स्मार्ट एवं उत्तरदायी बनाएगा। इस नवाचार-आधारित प्रतियोगिता का उद्देश्य उभरती तकनीकों के माध्यम से शहरी सेवाओं को और अधिक प्रभावशाली बनाना है। इस राष्ट्रस्तरीय हैकाथॉन में देशभर से छात्रों, स्टार्टअप्स, तकनीकी विशेषज्ञों और डेवलपर्स को आमंत्रित किया गया है। प्रतिभागियों को तीन प्रमुख शहरी चुनौतियों जनसुनवाई शिकायत निवारण, भूमि अतिक्रमण की निगरानी और साइबर क्राइम जांच पर व्यावहारिक तकनीकी समाधान प्रस्तुत करेंगे। हैकाथॉन-2025 में भाग लेने के लिए अंतिम तिथि 20 जुलाई है।

हैकाथॉन-2025 के तहत जनसुनवाई शिकायत निवारण प्रणाली में AI आधारित शिकायत वर्गीकरण, SLA ट्रैकिंग, विभागीय डैशबोर्ड, बहुभाषी संवाद और फीडबैक एनालिटिक्स जैसी आधुनिक तकनीकों के उपयोग से प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी व दक्ष बनाया जाएगा। भूमि अतिक्रमण निगरानी के लिए GIS मैपिंग, ड्रोन सर्वे, सैटेलाइट इमेजरी, AI/ML आधारित परिवर्तन विश्लेषण, रियल टाइम अलर्ट सिस्टम और भूमि अभिलेखों के एकीकरण जैसे समाधान विकसित किए जाएंगे। साइबर क्राइम जांच में एआई आधारित डिजिटल जांच प्लेटफॉर्म, VPN/Tor ट्रेसिंग टूल्स, रियल-टाइम कंप्लेंट मॉनिटरिंग सिस्टम और नागरिकों के लिए रिपोर्टिंग व ट्रैकिंग ऐप्स जैसी सुविधाओं को बढ़ावा दिया जाएगा।

इस हैकाथॉन में आईटी और एआई क्षेत्र के विशेषज्ञ, नवाचारकर्ता और तकनीकी विद्यार्थियों को आमंत्रित किया जाएगा। यह कार्यक्रम शासकीय कामकाज में तकनीकी नवाचार के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा। कार्यक्रम के माध्यम से अवैध निर्माण को रोकने, सतत निगरानी, जनसुनवाई प्रणाली को प्रभावी बनाने और साइबर फ्रॉड की रोकथाम जैसे विषयों पर व्यावहारिक सुझाव और समाधान आमंत्रित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इंदौर में शासन की कई योजनाएं डिजिटल प्लेटफॉर्म पर संचालित की जा रही हैं और इनकी दक्षता बढ़ाने के लिए तकनीकी नवाचार आवश्यक हैं। हैकथॉन के माध्यम से स्मार्ट और सुरक्षित इंदौर की दिशा में प्रशासन ठोस पहल करेगा। यह हैकाथॉन न केवल तकनीकी नवाचार को प्रोत्साहित करेगा, बल्कि शासन की पारदर्शिता और जनहित सुनिश्चित करने की दिशा एक बड़ी पहल है।

खरीफ फसलों की गिरदावरी का कार्य युवा करेंगे डिजिटल रुप से

इंदौर। खरीफ/ रबी/ जायद फसलों की गिरदावरी कार्य में पारदर्शिता लाने हेतु भारत सरकार द्वारा डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य प्रारंभ किया गया है। जारी खरीफ मौसम की फसलों की गिरदावरी का कार्य भी डिजिटल क्रॉप सर्वे से किया जायेगा। इसके लिए इच्छुक युवाओं से आवेदन आमंत्रित किये गए है। डिजिटल क्रॉप सर्वे का कार्य प्रत्येक मौसम हेतु लगभग 45 दिवस का रहता है, जिसमें जिओ फेंस (पार्सल लेवल) तकनीक के माध्यम से खेत में बोई गई फसल का फोटो खींचकर फसल सर्वेक्षण का कार्य नियत अंतराल में पूर्ण किया जाता है। इस योजना में मौसम खरीफ 2025 डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षण हेतु सर्वेयर पंजीयन का कार्य प्रारंभ हो गया है।

मध्यप्रदेश भू अभिलेख नियमावली के अनुसार फसल गिरदावरी कार्य वर्ष में 03 बार (मौसम खरीफ/रबी/जायद) में सारा एप के माध्यम से संपन्न किया जाता है। उक्त कार्य हेतु ग्राम के स्थानीय युवा/निकटतम ग्राम पंचायत के निवासी जिनकी आयु 18 वर्ष से 40 वर्ष के मध्य हो एमपी भू-लेख पोर्टल पर पंजीयन के लिए पात्र है। इसमें आधार ओटीपी से पंजीकरण भू-लेख पोर्टल के माध्यम से होगा पटवारी द्वारा ग्राम आवंटन किया जाएगा। युवा द्वारा सारा एप के माध्यम से कार्य संपादित किया जायेगा। न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता कक्षा 8वीं उत्तीर्ण निर्धारित की गई है तथा उनके पास मोबाईल फोन में इंटरनेट उपलब्ध हो। राशि भुगतान पंजीयन कार्य हेतु स्थानीय युवा को प्रति सर्वे नम्बर प्रथम फसल हेतु राशि 8 रुपये एवं प्रत्येक अतिरिक्त दर्ज फसल हेतु राशि 2 रुपये प्रति सर्वे नम्बर अधिकतम राशि 14 रुपये देय होगी।

भुगतान की कार्यवाही संबंधित क्षेत्र के जो संबंधित तहसीलदार द्वारा नियत राशि के सत्यापन उपरान्त आधार से लिंक बैंक खाता में स्थानीय युवा सर्वेयर को पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। किसान स्वयं भी अपनी फसलों की गिरदावरी एमपी किसान एप के माध्यम से कर सकते हैं। डिजिटल क्रॉप सर्वे एमपी किसान एप प्ले स्टोर से डाउनलोड करने के उपरांत मोबाईल ओटीपी के माध्यम से लॉगिन किया जा सकता है। एमपी किसान एप के माध्यम से फसल स्व-घोषणा की जानकारी जियो फेंस तकनीक के माध्यम से फसल का फोटो खींचकर दर्ज की जा सकेगी एवं पूर्व से दर्ज फसल के विरूद्ध दावा/आपत्ति की जानकारी भी एमपी किसान एप के माध्यम से दर्ज की जा सकेगी।

इंदौर जिले में कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश पर पेट्रोल पंपों की सघन जांच जारी

इंदौर। इंदौर जिले में पेट्रोल पंप पर उपभोक्ताओं के लिए आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता एवं पेट्रोल डीजल मानक स्तर तथा मानक माप का दिए जाने के संबंध में कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देश पर लगातार अभियान चलाकर पेट्रोल पंप की जांच की जा रही है। सोमवार को खाद्य विभाग के जांच दल द्वारा नेमावर रोड पालदा स्थित जियो बीपी के पेट्रोल पंप धर्मावत पेट्रोलियम कंपनी का औचक निरीक्षण किया गया। जांच कार्य पेट्रोल पंप के पार्टनर / मालिक सौरभ धर्मावत एवं पंचों की उपस्थिति में किया गया।

जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री एम.एल. मारू ने बताया कि जांच के समय पेट्रोल पंप पर दो भूमिगत टैंक पाए गए, जिसमें एक टैंक एमएस क्षमता 20 द्यद्य, दूसरा टैंक ॥स्ठ क्षमता 40 द्यद्य पाया गया। पेट्रोल पंप के दोनों टैंक से घनत्व परीक्षण करने पर सही पाया गया। मौके पर अधिकारियों द्वारा दोनों भूमिगत टैंक से डिस्पेंसिंग यूनिट से टोटलाइजर रीडिंग लेकर जांच दिनांक स्टॉक से मिलान कर भौतिक सत्यापन किया गया।

महाकाल के रंग में रंगी मैथिलानी सखियां: इंदौर से उज्जैन की भक्तिमय यात्रा

इंदौर। श्रावण मास की पवित्रता और भक्ति के रंग में रंगी इंदौर की सखी बहिनपा मैथिलानी समूह की महिलाओं ने एक अनूठी आध्यात्मिक यात्रा का आयोजन किया। इस यात्रा में समूह की सदस्यों ने उज्जैन में बाबा महाकाल के दर्शन किए और भक्ति, उत्साह व एकता के साथ सामूहिक रूप से इस पल को अविस्मरणीय बनाया। यह यात्रा न केवल आध्यात्मिक थी, बल्कि महिलाओं के आत्मविश्वास, स्वतंत्रता और सामाजिक योगदान को बढ़ावा देने का एक प्रेरणादायक प्रयास भी थी।

महाकाल की भक्ति में रंगी यात्रा- इंदौर से शुरू हुई इस यात्रा का नेतृत्व समूह की प्रमुख ऋचा झा और शारदा झा ने किया। सभी महिलाओं ने हरी साड़ियां पहनकर एकरूपता और भक्ति का भाव प्रदर्शित किया। रास्ते भर मैथिली भाषा में बाबा महाकाल के भजन, नचारी और विवाह गीतों की मधुर स्वरलहरियों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। उज्जैन पहुंचकर सभी ने श्रद्धा के साथ महाकाल मंदिर में दर्शन किए, जल और प्रसाद अर्पित किया, और महाकाल लोक का भ्रमण कर इस पवित्र स्थल की भव्यता का आनंद लिया। वापसी के सफर में अंताक्षरी और हंसी-ठिठोली ने यात्रा को और भी यादगार बना दिया।

सांवेर विधानसभा क्षेत्र में स्थित इंदौर शहर के 5 वार्डों में 100 करोड़ रुपये की लागत से बनेगी 8 पेयजल टंकियां – मंत्री श्री सिलावट

इंदौर। सांवेर विधानसभा क्षेत्र में स्थित इंदौर शहर के 5 वार्डों में 100 करोड रुपये की लागत से 8 पेयजल टंकियां बनायी जायेगी। यह जानकारी जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट द्वारा ली गई समीक्षा बैठक में दी गई। बैठक में बताया गया कि पेयजल व्यवस्था के लिए अमृत 02 योजना से वार्ड क्रमांक 18, 19, 35, 36 एवं 76 में पेयजल की टंकियों का निर्माण किया जायेगा।

बैठक में इंदौर नगर निगम की पेयजल समिति के अध्यक्ष श्री अभिषेक शर्मा बबलू एवं कार्यपालन यंत्री श्री संजीव श्रीवास्तव ने बताया कि सांवेर के 5 वार्डों में अमृत 02 योजना से लगभग 100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 8 पेयजल टंकियां का निर्माण होगा। यह टंकियां रेवती, कुमेडी, शक्करखेडी, मायाखेडी, अरण्डिया, तलावली चांदा क्षेत्र में बनेगी। जिसका निर्माण नगर निगम इन्दौर द्वारा होगा। कनाडिया और भंवरासला क्षेत्र में बनने वाली पेयजल टंकियों का निर्माण इन्दौर विकास प्राधिकरण द्वारा किया जायेगा। पूरे क्षेत्र में पाईप लाईन के माध्यम से प्रत्येक घर को पेयजल सुविधा मिलेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशन में अमृत योजना का प्रभावी क्रियान्वयन हो रहा है। आगामी माहों में इन टंकियों का शिलान्यास किया जायेगा।

इन टंकियों का निर्माण हो जाने से लाखों लोगों को पेयजल सुविधा प्राप्त होगी।

hindkush.in
24x7 News portal
दैनिक हिन्दकुश
jagrayam.com
online news magazine
सर्वे भवन्तु सुखिनः
भोपाल, इंदौर, उजैन, से प्रकाशित

संपादक मंडल

श्री संजय ज्ञानी — संपादकीय सलाहकार
श्री संजय व्यास — संपादकीय सलाहकार डिजिटल
सुश्री परम चैतन्य — कार्यकारी संपादक
डॉ. चमन सिंह राजौरा — उप संपादक
श्री आशीष उपाध्याय — विशेष संवाददाता व विधि सलाहकार
श्री भुवनेश भार्गव — विशेष संवाददाता
श्री शिरीष राव मोरे — ब्यूरो प्रमुख
श्री नरेन्द्र राठौर — संवाददाता
श्री धर्मेंद्र राठौर — संवाददाता
श्री कौशल कांतिदास वैरागी — विशेष प्रतिनिधि

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकर !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

बारिश के समय कंट्रोल रूम पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का समाधान तत्काल करें - महापौर

बाढ़ नियंत्रण हेतु निगम द्वारा की गई तैयारियों की महापौर ने की समीक्षा

उज्जैन। शहर में वर्षाकाल के दौरान प्राप्त शिकायतों एवं समस्याओं के समाधान एवं बाढ़ प्रबंधन को लेकर नगर निगम द्वारा की गई तैयारियों के संबंध में महापौर मुकेश टटवाल द्वारा सोमवार को नगर निगम मुख्यालय स्थित बैठक हाल में एमआईसी सदस्यों एवं निगम अधिकारियों की उपस्थिति में समीक्षा की गई।

समीक्षा के दौरान महापौर द्वारा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि बारिश के समय नागरिकों द्वारा जो शिकायत बताई जाती है उनका तत्काल समाधान किया जाए प्राप्त शिकायत के लिए नगर पालिक निगम द्वारा कंट्रोल रूम से मॉनिटरिंग की जाती है जिसका नंबर 0734/2535244 है उक्त नंबर पर नागरिकों द्वारा शिकायत दर्ज करवाते हुए बारिश

के दौरान जो समस्याएं होती है उसका समाधान करवाया जा सकता है।

बैठक में अपर आयुक्त श्री पवन कुमार सिंह द्वारा जानकारी देते हुए अवगत करवाया गया कि नगर निगम द्वारा बारिश के दौरान जिन क्षेत्रों में जल भराव की स्थिति निर्मित होती है वहां पर विशेष रूप से व्यवस्थाएं की गई है ताकि अतिवृष्टि के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या क्षेत्र के नागरिकों को ना हो साथ ही निचली बस्तियों के नाले नालियों की सफाई की गई है साथ ही शहर के प्रमुख बड़े नाले की सफाई का कार्य भी निगम द्वारा किया गया है। निगम आयुक्त आशीष पाठक

बिछडौद गांव के मूल निवासियों का मिलन समारोह संपन्न

उज्जैन। बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में निवास करने वाले बिछडौद के 100 से अधिक परिवारों का स्नेहिल मिलन समारोह वैदेही गार्डन खाक चौक पर संपन्न हुआ इस अवसर पर बिछडौद की माटी से निकले अपर आयुक्त तस्ज्ञ डा. धर्मपाल शर्मा एवं उज्जैन जिला चिकित्सालय में रेडियोलॉजिस्ट के रूप में अपनी सेवाएं देने वाले डॉ. जितेंद्र शर्मा का शाल श्रीफल भेंट कर सम्मान भी किया गया।इस अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए ऋषि गुरु के परम आचार्य डॉ. देवकरण शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे गांव की मिट्टी से निकले हुए सभी मित्रों का यह मिलन समारोह आने वाले समय में मिल का पत्थर साबित होगा डॉ. शर्मा ने कहा कि आयोजकों का यह अभिनव प्रयास बहुत ही सार्थक परिणाम देने वाला होगा। इस अवसर पर कार्यक्रम को डॉ. धर्मपाल शर्मा, डॉ. जितेंद्र शर्मा डॉ. सी. एल. शर्मा जयंतीलाल जैन डॉ. ईश्वर शर्मा आदि ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. कमलकिशोर कुंभकार ने किया स्वागत भाषण प्रसन्न जैन ने दिया अतिथियों का परिचय राजेंद्र सोनी ने दिया संपूर्ण कार्यक्रम की रूपरेखा कैलाश बोडाना ने प्रस्तुत की इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य रूप से दुग्ध संघ के पूर्व अध्यक्ष श्री महेंद्र सिंह बना रखब चंद चौधरी, मुरलीधर वर्मा, डालचंद जैन,नवीन बोहरा ,मुकेश शर्मा ,भरत शर्मा ,अनिल शर्मा, पीयूष बोहरा ,श्रीपाल जैन, दिनेश बाड़ोलिया, केसरीमल चौधरी, नरेंद्र शर्मा, हुकुम शर्मा, चंद्रविजय सिंह चौहान, रमेश जायसवाल, विष्णु प्रसाद जायसवाल, भवरलाल जैन, दिलीप जैन सहित सैकड़ो ग्रामीण उपस्थित थे। कार्यक्रम स्नेह भोज के साथ सम्पन्न हुआ।

एल आई सी में मना गुरु पूर्णिमा उत्सव

उज्जैन। गुरु पूर्णिमा की श्रखला के अंतर्गत जीवन बीमा निगम शा. क्र. एक में गुरु पूर्णिमा पर्व पर निगम के बीमा गुरुओं (विकास अधिकारियों) के अलावा कवि और भागवत व्याख्याकार अशोक नागर एवं कवि एवं शिक्षक राजेन्द्र जैन का अभिनन्दन किया गया।

इस अवसर पर जीवन बीमा निगम के शाखा प्रबंधक राजेश शर्मा, सहायक शाखा प्रबंधक रामनिवास यादव ने प्रेरक उद्बोधन दिया। कवियों ने कविताओं से गुदगुदाया।

साहिल मेदावाला ने कर्मचारी से मांगी माफी- अधिकारियों और कर्मचारी संघों के बीच हुई बातचीत, अधिकारियों के व्यवहार को लेकर एडवायजरी होगी जारी

उज्जैन। पिछले 6 दिनों से कर्मचारी संघों द्वारा नगर निगम गेट पर शिल्पज्ञ विभाग के कर्मचारी के साथ सिंहस्थ प्रकोष्ठ के प्र. कार्यपालन यंत्री द्वारा गाली-गलोच एवं अभद्रता के लिये आंदोलन किया जा रहा है। 15 जुलाई दोपहर में 1.30 बजे विरोध प्रदर्शन के 6टे दिन भी साहिल मेदावाला के खिलाफ नारेबाजी की गई। शाम को अपर आयुक्त ने अपने कक्ष में बैठक आयोजित की। जिसमें कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों और अधिकारियों के सामने सहायक यंत्री साहिल मेदावाला ने शिल्पज्ञ विभाग के लिपिक शैलू धंधोरिया और प्र. कार्यालय अधीक्षक सुधीर भारती से माफी मांगी गई और भविष्य में अभद्रता एवं गाली-गलोच नहीं करने का विश्वास दिलाया।

इसके पूर्व निगम गेट पर भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध स्वायत्तशासी कर्मचारी संघ, सफाई कामगार संघ एवं सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ के संरक्षक रामचंद्र कोरट, सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ अध्यक्ष डॉ. पवन व्यास, रमेशचंद्र निगम, मनसुख मेहरवाल, स्वायत्तशासी कर्मचारी संघ अध्यक्ष रमेशचंद्र रघुवंशी, नितिन मुसले, सफाई कामगार संघ अध्यक्ष चंदगीराम पहलवान, संदीप कलोसिया आदि ने कर्मचारियों को संबोधित किया और कहा कि सभी कर्मचारी हमेशा संगठित रहेंगे तो ऐसी घटनाओं को रोका जा सकेगा। इसलिए जब भी आंदोलन हो तो अधिक से अधिक संख्या में कर्मचारी एकत्रित हों।

विश्व युवा कौशल दिवस पर युवाओं को अपने कौशल को निखारने हेतु किया प्रेरित

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल कौशल के माध्यम से युवा सशक्तिकरण विषय पर कार्यक्रम का आयोजन

उज्जैन। 10 म.प्र. बटालियन एन.सी.सी. द्वारा एमआईटी महाविद्यालय उज्जैन में आयोजित एन.सी.सी. कैम्प में सोशल सर्विस एंड कम्युनिटी डेवलपमेंट एक्टिविटी के अंतर्गत विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर कैम्प कमांडेंट कर्नल जी.पी. चौधरी (सेना मेडल) द्वारा युवाओं के कौशल विकास के महत्व को रेखांकित कर इस वर्ष की थीम कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल कौशल के माध्यम से युवा सशक्तिकरण पर अपने विचार व्यक्त कर कैडेट्स को अपनी रुचि अनुसार अपने कौशल को निखारने हेतु प्रेरित किया।

एमआईटी महाविद्यालय के प्रो. योगेन्द्र ने फार्मेसी के क्षेत्र में करियर की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। प्रो. रूचिका पचौरी एवं प्रो. बलराम यादव ने आईटी एवं तकनीकी शिक्षा के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। मेकेनिकल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष मुकेश शिंदे ने युवाओं को अपनी क्षमताओं को पहचानने और देशहित में उपयोग करने का आह्वान किया। संस्थान के डीन एडमिनिस्ट्रेशन डॉ. केवी शर्मा ने महाविद्यालय का संक्षिप्त परिचय देते हुए सभी कैडेट्स को मार्गदर्शन प्रदान किया। एमआईएम के डायरेक्टर ऋषि दुबे ने कैडेट्स को करियर मार्गदर्शन प्रदान करते हुए उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

कैप्टन डॉ. कानिया मेड़ा ने युवा शक्ति पर प्रेरणादायक आपने विचार प्रस्तुत किये आपने बताया कि 15 जुलाई 2014 को संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा विश्व युवा कौशल दिवस मनाने का निर्णय लिया गया। मेजर डॉ. मोहन निमोले ने युवा पीढ़ी की राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका है। तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देकर अपने कौशल को बेहतर निखार सकते है। कार्यक्रम का संचालन लैफ्टिनेंट सौरभ मिश्रा द्वारा कर आभार कैप्टन डॉ. सरोज रत्नाकर द्वारा व्यक्त किया गया। इस अवसर सूबेदार बलविंदर सिंह, ट्रेनिंग जेसीओ सुबेदार दलजीत सिंह, लेफ्टिनेंट मदन सोलंकी, नायक सूबेदार गुरुप्रीत सिंह, कुलवीर सिंह, बीएचएम अमरदीप सिंह, हवलदार निर्मल सिंह, सोहन सिंह, सेकंड ऑफिसर दीपेश, सेकंड ऑफिसर तालिब हुसैन, थर्ड ऑफिसर आरती बकोरे, सीटीओ जितेंद्र पंचोली, जीसीआई जया चौहान, निवेदिता ठाकुर सहित एनसीसी कैडेट्स उपस्थिति रहे।

उज्जैन में हुआ नेक्सट गेन सुपर स्टार का प्रादेशिक ऑडिशन

उज्जैन। उज्जैन जिला माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा पश्चिमी मध्यप्रदेश प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के तत्वाधान में प्रदेशभर की प्रतिभाओं को मंच देने हेतु नेक्सट गेन सुपर स्टार ऑडिशन का आयोजन उज्जैन में हुआ। लगभग 16 जिलों से 65 प्रतिभागियों ने विभिन्न कलाओं में अपनी प्रस्तुति दी जिसमें क्लासिकल डांस, सोलो डांस, ग्रुप डांस, वाद्य यंत्र, वादन, मिस माहेश्वरी, सोलो सिंगिंग, कविता पाठ जैसी विभिन्न कलाएं शामिल थी। 7 से 40 वर्ष तक के प्रत्याशियों के बीच प्रातः 9 बजे से शाम 7 बजे तक निरंतर ऑडिशन जारी रहा।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज के बच्चों, युवाओं एवं विशेष प्रतिभा रखने वाले दिव्यांगजनों को एक मंच प्रदान कर उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहन देना था। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों का सम्मान कर शील्ड ट्रॉफी और सर्टिफिकेट दिया गया एवं सभी विजेता रहे प्रतियोगी अगस्त माह में होने वाले अखिल भारतीय कार्यक्रम में हैदराबाद जाकर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com